दैनिक
# राष्ट्रीय जनभावना

वर्ष-3, अंक-317
इन्दौर मंगलवार
12 मई 2026
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

RNI-MPHIN/2013/53761,

**चाणक्य नीति**

जिसने अपने मन पर विजय प्राप्त कर लिया, वो किसी भी हार से उबरकर फिर से उठ सकता है।

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

### राहुल गांधी ने पीएम मोदी की अपीलों को लेकर साधा निशाना, बोले...

# सात अपीलें उपदेश नहीं नाकामी

## अब देश चलाना उनके बस में नहीं

**पीएम मोदीजी ने जनता से त्याग मांगा और कहा- सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम इस्तेमाल करो, खाद और खाने के तेल का इस्तेमाल घटाओ, मेट्रो से चलो, घर से काम करो। राहुल पलटवार करते हुए बोले- दरअसल ये उपदेश नहीं हैं, ये उनकी विफलता है।**

● नई दिल्ली, ईएमएस

राहुल गांधी ने सोमवार को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से निपटने के लिए पीएम मोदी की हालिया सात अपीलों पर पलटवार किया। उन्होंने इसे नाकामी बताया। उन्होंने कहा कि अब देश चलाना पीएम मोदी के बस में नहीं रह गया है। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा- कल मोदीजी ने जनता से त्याग मांगा। सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम इस्तेमाल करो, खाद और खाने के तेल का इस्तेमाल घटाओ, मेट्रो से चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं हैं। ये विफलता हैं।

उन्होंने कहा कि 12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है। क्या खरीदें, क्या नहीं। कहां जाए, कहां नहीं। दरअसल, रविवार को सिकंदराबाद में एक जनसभा में पीएम मोदी ने आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत पर जोर दिया था, ताकि विदेशी मुद्रा की बचत हो सके और पर्यावरण की रक्षा हो सके। पीएम मोदी रविवार को कहा था कि आज के समय में पेट्रोल, गैस और डीजल का इस्तेमाल कम करना होगा। पड़ोस में चल रहे युद्ध के असर से दुनियाभर में पेट्रोल-डीजल के दाम कई गुना बढ़ गए हैं। भारत पर इस वैश्विक संकट का असर ज्यादा है, हमारे पास तेल के बड़े कुएं नहीं हैं। पीएम ने कहा कि पेट्रोल, गैस और डीजल बचाने के लिए हमें वर्क फॉम होम जैसे उपायों की जरूरत है। अनावश्यक वाहन का इस्तेमाल कम करें। मेट्रो में सफर और कारपूलिंग करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को उसमें बैठाकर ले जाएं। हर परिवार अगर खाने के तेल का इस्तेमाल थोड़ा कम करे तो इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी और लोगों की सेहत भी बेहतर रहेगी। देश को रासायनिक उर्वरकों की खपत आधी करने का लक्ष्य रखना चाहिए और तेजी से प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना चाहिए।

### प्रदेश के विकास और जन-कल्याण के लिए 29 हजार करोड़ से अधिक की स्वीकृति

**सीएम डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक संपन्न**

**भोपाल, ईएमएस।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के समग्र विकास और जन-कल्याण की दिशा में कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। प्रदेश में बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, सिंचाई सुविधाओं और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न विकास कार्यों और योजनाओं के लिए 29 हजार 540 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

**राज्य मंत्रियों का स्वेच्छानुदान 25 हजार किया गया**

मंत्रि-परिषद द्वारा राज्य मंत्रियों व्दारा दिए जाने वाले स्वेच्छानुदान की राशि में किसी एक प्रकरण के लिए वर्तमान में निर्धारित सीमा राशि 16,000 रूपये को बढ़ाकर 25,000 रुपये किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

### पीएम की अपील में महंगाई बढ़ने के संकेतः जयराम

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सुझाव दिया है कि पीएम मोदी द्वारा नागरिकों से की गई सात अपीलें पश्चिम एशिया संकट से जुड़ी आर्थिक कठिनाइयों के बीच ईंधन की कीमतों में वृद्धि और मितव्ययिता उपायों की शुरुआत का संकेत हो सकती हैं। एक्स पर पोस्ट करते हुए रमेश ने कहा कि हैदराबाद में मोदी के संबोधन में की गई टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि आर्थिक स्थिति सरकार द्वारा सार्वजनिक रूप से स्वीकार की गई स्थिति से कहीं ज्यादा गंभीर हो सकती है।

### मंत्री-नेताओं के काफिले पर पाबंदी लगाएं

दुनियाभर में जारी वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर में पीएम मोदी ने देशवासियों से सामूहिक भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया है। इस पर विपक्ष ने केंद्र पर पलटवार किया है। शिवसेना (यूबीटी) गुट की पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी पीएम मोदी का नाम न लेते हुए कहा कि सेंट्रल एशिया में जारी संघर्ष को संभालने में नीतिगत विफलता के चलते चुनाव संबंधी निर्णयों का बोझ अब नागरिकों पर नहीं डाला जा सकता और उनसे तेल बचाने या यात्रा कम करने को नहीं कहा जा सकता।

### अपील से लोग पैनिकः पेट्रोल पंपों पर भीड़

पीएम मोदी के पेट्रोल-डीजल के इस्तेमाल को कम करने की अपील की। इससे लोग पैनिक हो गए। दिल्ली-एनसीआर समेत विभिन्न राज्यों के अनेक शहरों के पेट्रोल-पंपों पर भारी संख्या में लोग वाहनों के टैंकों को फुल करवाने पहुंच गए। पेट्रोल पंप पर भीड़ बढ़ता देख लोगों में भय का माहौल बन गया। हालांकि पेट्रोल पंप कर्मचारियों का लोगों से कहना था कि उनके यहां पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल-डीजल उपलब्ध है, चिंता करने या घबराने की आवश्यकता नहीं है। जिम्मेदारों ने सभी लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और पैनिक होकर गलत फैसले न लेने की समझाइश दी है।

### पीएम मोदी ने महापूजा में लिया भाग और कहा, हुई दिव्य अनुभूति

# सोमनाथ के शिखर पर कुंभाभिषेक

**अहमदाबाद, ईएमएस।** गुजरात के गिर सोमनाथ में स्थित प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ के मंदिर में आज सोमनाथ अमृत महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। मंदिर के आधुनिक पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष धार्मिक अनुष्ठानों और महापूजा में भाग लिया। पूरा मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और भक्तिमय संगीत से सराबोर रहा। इस अवसर पर देशभर के साधु-संतों, कलाकारों और हजारों श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और भी दिव्य बना दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ पहुंचकर सबसे पहले लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा को नमन किया, जिन्होंने मंदिर के जीर्णोद्धार का संकल्प लिया था। इसके पश्चात, मंदिर के इतिहास में पहली बार शिखर पर कुंभाभिषेक का अलौकिक दृश्य देखने को मिला। देश के 11 पवित्र तीर्थस्थलों के जल से भरे एक विशाल पांच फुट ऊंचे कलश को क्रेन की सहायता से करीब 90 मीटर ऊंचे मंदिर शिखर तक पहुंचाया गया, जहां शास्त्रों के अनुसार जलाभिषेक संपन्न हुआ। प्रधानमंत्री ने इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में पूरी श्रद्धा के साथ हिस्सा लिया। धार्मिक समारोह के साथ-साथ आज सोमनाथ की धरती पर राष्ट्रभक्ति और शौर्य का संगम भी देखने को मिला। भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने मंदिर परिसर के ऊपर हैरतअंगेज एयर शो का प्रदर्शन किया। छह हॉक एमके-132 विमानों ने आसमान में आकर्षक फॉर्मेशन बनाकर दर्शकों का मन मोह लिया। मंदिर के भव्य शिखर के ऊपर वायुसेना के इन विमानों की गूंज और कलाबाजियों ने श्रद्धालुओं के बीच रोमांच भर दिया।

### पीएम मोदी की विदेशी मुद्रा बचाने की अपील को उद्योगपतियों का समर्थन

# इन उपायों से देश की आर्थिक नींव और मजबूत होगी

देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील का समर्थन किया, जिसमें उन्होंने ईंधन के उपयोग को कम करने और विदेशी मुद्रा को बचाने का आह्वान किया था। उद्योगपतियों ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यह पहल भारत को मजबूती देगी और हमारे बहुमूल्य विदेशी मुद्रा भंडार की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

यह प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री मोदी द्वारा भाजपा की एक जनसभा को संबोधित करने के बाद आई, जहां उन्होंने पश्चिमी एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनावों से उत्पन्न आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए नागरिकों से सहयोग मांगा था। प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से ईंधन बचाने, वर्क फॉम होम जैसी डिजिटल कार्य पद्धतियों को फिर से अपनाने, गैर-जरूरी खरीदारी को सीमित करने और विदेश यात्रा से बचने का आग्रह किया। उन्होंने जोर दिया कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में विदेशी मुद्रा बचाना देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

## एलपीजी सिलेंडर डिलीवरी में डीएसी कोड अनिवार्य

**धोखाधड़ी से बचने के लिए कंपनियां सतर्क**

**नई दिल्ली, ईएमएस।** एलपीजी गैस सिलेंडर की डिलीवरी अब पूरी तरह से डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) के माध्यम से हो रही है, जिससे सिलेंडर का गलत हाथों में जाना असंभव हुआ है।

यह नई व्यवस्था गैस सिलेंडर के वितरण को सुरक्षित और सुनिश्चित बनाने के लिए लागू की गई है, ताकि प्रत्येक सिलेंडर सही उपभोक्ता तक पहुंचे। हालांकि, इस सुरक्षा प्रणाली के साथ ही एक नई चुनौती भी सामने आई है-साइबर अपराधी अब फेक डीएसी कोड के जरिए लोगों को ठगने की कोशिश कर रहे हैं। यह देखकर इंडेन, एचपीसीएल और भारत गैस जैसी एलपीजी सप्लाई कंपनियों ने उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण अपडेट और सुरक्षा दिशानिर्देश जारी किए हैं।

## पश्चिम एशिया संकटः राजनाथ ने की मंत्रियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक

**नई दिल्ली, ईएमएस।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया में उभरती स्थिति पर नज़र रखने के लिए गठित मंत्रियों के अनौपचारिक अधिकार प्राप्त समूह की बैठक की अध्यक्षता की। बता दें पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण कच्चे माल की कीमतों में आई तेजी के बीच एडहेसिव और निर्माण रसायन बनाने वाली कंपनी पिडिलाइट इंडस्ट्रीज कीमतों में एक और दौर की वृद्धि पर विचार कर रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक सुधांशु वत्स ने यह जानकारी दी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फेविकोल, डॉफिक्सिट, फेवीक्विक और एम-सील जैसे ब्रांड्स की मालिक कंपनी अप्रैल और मई में पहले ही दो बार कीमतें बढ़ा चुकी है। वत्स ने कंपनी के तिमाही नतीजों की घोषणा के बाद संवाददाताओं से कहा कि कंपनी के कच्चे माल की लागत, जो मुख्य रूप से कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों पर आधारित है, पश्चिम एशिया संकट के कारण भारित औसत आधार पर 40-50 फीसदी तक बढ़ गई है।

## सुवेंदु के पीए चंद्रनाथ हत्या मामले में अब तक तीन संदिग्ध गिरफ्तार

**बंगाल सीआईडी बोली- गिरफ्तार राज सिंह लापं शूटर**

**कोलकाता, ईएमएस।** पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले में बिहार और यूपी से तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है।

तीनों को बंगाल लाया गया है। बंगाल सीआईडी ने बताया कि बिहार के बक्सर से मयंक राज मिश्रा और विक्की मौर्य, जबकि यूपी के बलिया से राज सिंह को रविवार रात हिरासत में लिया। इन्हें सोमवार सुबह गिरफ्तार किया गया। राज सिंह शार्प शूटर बताया जा रहा है। बंगाल चुनाव के नतीजे आने के दो दिन बाद 6 मई को 42 साल के चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम इलाके में हुई। हमलावर ने रथ की कार रुकवाकर कई राउंड फायरिंग की थी।

### बंगाल चुनाव हार पर टीएमसी का नया दावा

# एसआईआर के कारण गई 31 सीटें

**अदालत ने दिया अलग याचिका का सुझाव**

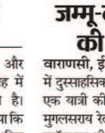

**नई दिल्ली, ईएमएस।** पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद सत्ता से बाहर हुई तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सुप्रीम कोर्ट में नतीजों को लेकर एक नया दावा पेश किया है।

ममता की पार्टी ने सोमवार को एसआईआर (स्ट्राइक-आउट, इनएलिजिबल और रिजेक्टेड) से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि इसी प्रक्रिया के चलते 31 सीटों पर चुनाव परिणाम प्रभावित हुआ और पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बंगाल सरकार के लिए पैरवी कर रहे वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपनी दलील में कहा कि इन 31 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का अंतर एसआईआर में हटाए गए मतदाताओं की संख्या से भी कम है। उन्होंने कहा कि यदि एसआईआर के कारण मतदाताओं का नाम सूची से नहीं हटाया जाता, तब इन सीटों का परिणाम निश्चित रूप से कुछ और हो सकता था और इससे चुनाव का रुख बदल सकता था। ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कई सीटें ऐसी भी हैं।

### एकमात्र जीते केरल में भी सीएम चुनने में कांग्रेस हाईकमान के छूटे पसीने

# वेणुगोपाल - सतीशन गुट आमने-सामने

**नई दिल्ली, ईएमएस।** पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को आए थे। तब से अब तक तमिलनाडु और बंगाल में नए मुख्यमंत्रियों ने शपथ ले ली है और असम में फैसला करीब हो चुका है। लेकिन एकमात्र केरल में जीत हासिल करने वाली कांग्रेस मुख्यमंत्री का चयन नहीं कर पा रही है।

बीते सप्ताह बुधवार को तिरुअनंतपुरम में बैठक हुई थी, लेकिन कोई फैसला नहीं हुआ था। अब भी बात जस की तस अटकी है और कांग्रेस हाईकमान के भी पसीने छूट रहे हैं। अब केंद्रीय नेतृत्व की ओर से सीएम चुनने के लिए कुछ और वक्त मांग लिया है। केरल में कांग्रेस महासचिव और राहुल गांधी के करीबी केसी वेणुगोपाल को एक गुट सीएम देखना चाहता है। वहीं केरल की ही राजनीति लंबे समय से कर रहे वीडी सतीशन भी प्रमुख दावेदार हैं। इतना ही नहीं सतीशन के लिए केरल में कई स्थानों पर प्रदर्शन भी हो रहे हैं। फिलहाल लीडरशिप एक या दो दिन का वक्त और चाहता है, ताकि अलग-अलग गुटों से बात की जा सके। जानकारी मिल रही है कि केरल में मुख्यमंत्री की रेस में अब दो ही दावेदार शेष हैं, राहुल गांधी के करीबी वेणुगोपाल और वीडी सतीशन का नाम प्रमुख है। हालात इसतरह के हैं कि दोनों नेताओं के बीच ऐसी रेस है कि जगह-जगह कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं।

### दिल्ली में बैरियर लेस टोल सिस्टम का आगाज

# बिना रुके कटेगा टैक्स

**नई दिल्ली,ईएमएस।** दिल्ली और आसपास के लोगों को अब टोल प्लाजा पर लगने वाले लंबे ट्रैफिक जाम जल्द ही निजात मिलने वाली है। केंद्र की मोदी सरकार ने सोमवार को दिल्ली में एक नए और हाईटेक बैरियर-लेस टोल सिस्टम की शुरुआत कर दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा से इस मल्टी-लेन फ्री फ्लो बैरियर-लेस टोलिंग सिस्टम का शुभारंभ किया। शुरु की गई इस नई व्यवस्था की सबसे बड़ी खासियत यह है कि टोल प्लाजा पर कोई बैरियर नहीं होगा।

## हिमंता का शपथ ग्रहण आज

**चुनावी घोषणापत्र पर रहेगा जोर**

**गुवाहाटी, ईएमएस।** असम के भावी मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने घोषणा की है कि 12 मई को शपथ ग्रहण के बाद उनकी नई सरकार पार्टी के घोषणापत्र को लागू करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। सरमा ने स्पष्ट किया कि शपथ ग्रहण के तुरंत बाद होने वाली पहली कैबिनेट बैठक में घोषणापत्र के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 मई को गुवाहाटी पहुंचने और शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने वाले हैं। सीएम सरमा ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और कई एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी इस ऐतिहासिक मौके के साक्षी बनने वाले है। पार्टी के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में लोग इस कार्यक्रम में उपस्थित रहने वाले है।

## जम्मू-तवी एक्सप्रेस में यात्री की गोली मारकर हत्या

**वाराणसी, ईएमएस।** कोलकाता-जम्मू तवी एक्सप्रेस में दुस्साहसिक वारदात को अंजाम देते हुए बदमाशों ने एक यात्री की गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना मुगलसराय रेलवे स्टेशन से महज 3 किलोमीटर पहले ब्लॉक हट-बी के पास करीब रात 2 बजे हुई। मृतक की पहचान बिहार के गया जिले के पिपरिया गांव निवासी 42 वर्षीय दिनेश शाह के रूप में हुई है, जो अपनी पत्नी और परिजनों के साथ सीतापुर के नैमिषारण्य धाम की यात्रा कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दिनेश शाह जब कोचस-2 के बाथरूम से बाहर निकल रहे थे, तभी घात लगाए हमलावरों ने उनके सिर में गोली मार दी। ब्लॉक हट के कारण ट्रेन की गति धीमी थी, जिसका फायदा उठाकर अपराधी अंधेरे में कूदकर फरार हो गए।

### नीट यूजी परीक्षा में पेपर लीक मामला: 140 सवाल हूबहू मिले, जांच जारी

# केरल से राजस्थान लाया सैंपल पेपर

**जयपुर, ईएमएस।** लाखों मेडिकल छात्रों के भविष्य से जुड़ी नीट यूजी 2026 परीक्षा फिर विवादों में घिर गई है। परीक्षा से पहले कथित तौर पर पेपर लीक होने की आशंकाओं ने छात्रों और अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। राजस्थान में सामने आए एक मामले में दावा हो रहा है कि एक 'सैंपल पेपर' में 140 सवाल नीट यूजी 2026 परीक्षा के असली सवालों से हूबहू मिलते थे, जिसे लाखों रुपये में बेचा गया था।

रिपोर्ट्स के अनुसार, राजस्थान और उत्तराखंड से नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (नीट) को ऐसी जानकारी मिली थी कि परीक्षा से पहले कुछ छात्रों के बीच एक 'गेस पेपर' या 'सैंपल पेपर' बांटा गया था। जांच में खुलासा हुआ कि इस पेपर के 300 सवालों में से करीब 140 सवाल मुख्य परीक्षा से काफी हद तक मेल खाते थे। मामले की गंभीरता को देखकर एनटीए ने केंद्रीय जांच एजेंसियों और राजस्थान पुलिस को इसकी सूचना दी। अब राजस्थान एटीएस और एसओजी इसकी जांच कर रही हैं। एसओजी की जांच में यह भी सामने आया है कि सैंपल पेपर केरल से राजस्थान के सीकर लाया गया था, जिससे एक बड़े नेटवर्क की संलिप्तता का संदेह गहरा गया है। जांच एजेंसियां कई जगहों पर छापेमारी कर रही हैं ताकि इस रैकेट में शामिल लोगों का पता लगाया जा सके।

### त्रिनिदाद पीएम कमला ने अपमानित करने वालों को दिया करारा जवाब, बोलीं...

# कुली की बेटी आज प्रधानमंत्री है...

**विरासत पर कोई शर्मिंदगी नहीं बल्कि गर्व होता है महसूस**

● पोर्ट ऑफ स्पेन, ईएमएस

त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर ने अपनी भारतीय जड़ों पर गहरा गर्व जाहिर किया है, और उन लोगों को कड़ा जवाब दिया है जो उनकी पहचान के लिए उन्हें अपमानित करने की कोशिश करते हैं। प्रधानमंत्री बिसेसर ने स्पष्ट किया कि उन्हें अपनी विरासत पर कोई शर्मिंदगी नहीं है, बल्कि इस पर गर्व महसूस होता है। यह बात उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के हालिया त्रिनिदाद-टोबैगो दौरे (8-9 मई) के दौरान कही।

विदेश मंत्री जयशंकर के स्वागत में आयोजित कार्यक्रम में, कमला प्रसाद-बिसेसर ने कहा, त्रिनिदाद में भारतीयों को आज भी कुछ जगहों पर कुली कहकर बुलाया जाता है। यह एक अपमानजनक शब्द माना जाता है, लेकिन मुझे इसमें कोई शर्म महसूस नहीं होती है। उन्होंने अपनी बात को और मजबूती देकर कहा, मुझे गर्व होता है कि आज एक छोटी-सी कुली लड़की त्रिनिदाद की प्रधानमंत्री है। यह बयान उन सभी को करारा जवाब था जो भारतीय मूल के लोगों को उनकी पृष्ठभूमि के कारण नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं। प्रधानमंत्री बिसेसर ने इस दौरान अपने भारतीय पूर्वजों के संघर्ष और समर्पण को भी याद किया, जिन्होंने प्राचीन भारतीय सभ्यता, भाषाओं और संस्कृति को तमाम कठिनाइयों के बावजूद संरक्षित रखा। उन्होंने जोर दिया कि भारतीय पहचान को मिटाने के कई प्रयासों के बावजूद, हमारे पुरखों ने अपनी तहजीब और सांस्कृतिक विरासत को पीढ़ी दर पीढ़ी जीवित रखा।

त्रिनिदाद की कुल आबादी में लगभग 45 प्रतिशत लोग भारतीय मूल के हैं, जो इस विरासत की गहराई को दर्शाता है। भारत और त्रिनिदाद के बीच संबंध 150 वर्ष से भी अधिक पुराना है। ब्रिटिश औपनिवेशिक काल में, बड़ी संख्या में भारतीय मजदूरों को गिरमिटिया (अनुबंध पर बंधुआ मजदूर) के रूप में त्रिनिदाद ले जाया गया था। इन मजदूरों ने वहां कड़ी मेहनत कर समाज में तरक्की की। आज त्रिनिदाद के कई अहम पदों पर भारतीय मूल के लोग आसीन हैं, और स्वयं प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर इस प्रगति का जीता-जागता उदाहरण हैं। अपनी विरासत को सम्मान देने के लिए प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर ने 9 मई को विदेश मंत्री जयशंकर के साथ नेल्सन आइलैंड का भी दौरा किया और एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि भारतीयों की याद में नेल्सन आइलैंड का नाम बदला जाएगा, जिसके लिए जनता से नया नाम सुझाने को कहा जाएगा।

जनभावना

## संपादकीय

# भारत का विदेशी मुद्रा भंडार दयनीय स्थिति में

### » एनआरआई के लिए डॉलर बांड

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले ढाई महीनों में तेजी से घटकर लगभग 550 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। यह स्थिति केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के लिए चिंता का विषय है। विदेशी मुद्रा भंडार देश की आर्थिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार है। इसी के सहारे आयात, अंतर्राष्ट्रीय भुगतान और मुद्रा विनिमय दर को स्थिर रखने में होता है। इसका असर आयात और निर्यात दोनों पर पड़ता है। अमेरिका और ईरान के बीच जब युद्ध चल रहा है, ऐसी स्थिति में वैश्विक बाजार में अस्थिरता, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और डॉलर की मजबूती के कारण भारत पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट भारत की अर्थ व्यवस्था के लिए गंभीर संकट का संकेत है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का 85 फ़ीसद हिस्से का आयात करता है। खाद भी बड़े पैमाने पर भारत को आयात करनी होती है। पेट्रोलियम, खाद और गैस के आयात में भारी मात्रा में डॉलर की जरूरत होती है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार कमी सरकार और रिजर्व बैंक को वैकल्पिक उपायों पर विचार करने पर मजबूर कर रहे हैं।

इसी क्रम में डॉलर बॉन्ड जारी करने की योजना सामने आई है। विदेशों में बसे भारतीयों (एनआरआई) को बांड बेचकर सरकार डॉलर का भंडार बढ़ाना चाहती है। यह योजना सरकार और रिजर्व बैंक के लिए अल्पकालिक राहत देने वाली होगी। एनआरआई निवेशकों से डॉलर प्राप्त कर सरकार विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत करने का प्रयास करेगी। इससे तत्काल डॉलर की उपलब्धता बढ़ सकती है। रुपये पर पड़ रहा दबाव कुछ कम हो सकता है। भारत वित्तीय स्थिति को तत्काल नियंत्रित करने में सफल हो सकता है। लेकिन आगे चलकर अर्थव्यवस्था में दोहरा दबाव भी पड़ सकता है। इस योजना के साथ कई जोखिम भी हैं। सबसे बड़ा खतरा विनिमय दर का है। पिछले कुछ वर्षों में डॉलर, लगातार रुपये के मुकाबले मजबूत हुआ है। भविष्य में रुपये की कमजोरी जारी रहती है, तो सरकार को बॉन्ड का भुगतान मांग के अनुसार करने पर ज्यादा डॉलर भुगतान करना पड़ेगें। इसमें सरकार को केवल ब्याज ही नहीं, बल्कि विनिमय दर में भी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

यह स्थिति भविष्य में वित्तीय दबाव को और बढ़ा सकती है। विदेशी मुद्रा संकट से निपटने के लिए केवल उधारी आधारित समाधान लंबे समय तक प्रभावी नहीं हो सकते हैं। आवश्यकता इस बात की है, भारत को निर्यात बढ़ाने और आयात पर निर्भरता घटाने, घरेलू उत्पादन को मजबूत करने की दिशा में ज्यादा ध्यान देना होगा। ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार, निर्यात बढ़ाने और वैश्विक निवेश आकर्षित करने की दिशा में दीर्घकालीन ठोस कदम उठाने जरूरी हैं। सरकार और रिजर्व बैंक को समझना होगा, विदेशी मुद्रा भंडार केवल आंकड़ों का खेल नहीं है। यह देश के आयात-निर्यात भुगतान के संतुलन तथा आर्थिक विश्वसनीयता का प्रतीक है। यदि विदेशी मुद्रा भंडार लगातार घट रहा है तो उसे संभालने के लिए बार-बार बाहरी संसाधनों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। यह दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता के लिए अच्छा संकेत नहीं है। इसलिए डॉलर बॉन्ड तत्काल मलहम का काम कर सकता है। यह स्थायी समाधान नहीं है। भारत को अपनी आर्थिक नीतियों को बेहतर एवं मजबूत बनाना होगा। विदेशी मुद्रा भंडार आयात-निर्यात भुगतान संतुलन एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था में विदेशी मुद्रा का भंडार होना ही चाहिए। पिछले कुछ महीनों से जिस तरह से देश को अर्थ संकट का सामना कर रहा है, विदेशी मुद्रा भंडार लगातार घट रहा है।

विदेशी निवेशक भारत से भाग रहे हैं। निर्यात की तुलना में आयात लगातार बढ़ रहा है। भारत सरकार के ऊपर देसी और विदेशी कर्ज बढ़ता जा रहा है। रुपए के मुकाबले डॉलर की कीमत तेजी से बढ़ रही है। इस दिशा में गंभीरता के साथ सरकार के अर्थ विशेषज्ञों और रिजर्व बैंक को जवाबदेही के साथ जिम्मेदारी का निर्वाह करना होगा, अन्यथा स्थिति कभी भी भयावह हो सकती है।

सनत जैन

## राज काज

### परिवारवाद की बिहार में नई परिभाषा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार मंत्रिमंडल के विस्तार में पहुंचे। उन्होंने परिवारवाद के विरोध में लगाए भाषण दिया। बिहार में जो मंत्री, उपमुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री बने हैं। उसमें अधिकांश नेताओं के परिवार के लोग हैं। बिना चुनाव लड़े नेताओं के पुत्रों को मंत्री बना दिया गया। नीतीश कुमार के पुत्र भी मंत्री बन गए। जब प्रधानमंत्री परिवारवाद के खिलाफ बोल रहे थे। जो मंत्री शपथ ले रहे थे। उसको देखकर पहली बार बड़ी जगहंसाई हुई है। इसे कहते हैं पर उपदेश कुशल बहुतेरे।

### महाराष्ट्र में मराठी प्रेम, हिंदी का विरोध

महाराष्ट्र में हिंदी का विरोध बड़े पैमाने पर हो रहा है। हिंदी भाषी टैक्सी, ऑटो ड्राइवर तथा ट्रक चालकों के ऊपर जैसे कहर टूट पड़ा है। मराठी और हिंदी को लेकर अब हिंसक झगड़ा होने लगे हैं। पिछले 50-55 साल से भाषा का विवाद देश में खत्म हो गया था। एक बार फिर सत्ता के लिए भाषाई विवाद शुरू हो गए हैं। हिंदी और मराठी दोनों देवनागरी लिपि से निकली हैं। दोनों भाषा मौसी की तरह सगी बहनें हैं। इसके बाद भी उनमें लड़ाई करा दी गई। इसे कहते हैं, सत्ता की लड़ाई।

### मोदी राज में, मेरी मर्जी

2014 के बाद से विभिन्न प्रदेशों में जो राज्यपाल नियुक्त हुए हैं। वह संविधान की मर्जी से नहीं, भाजपा और अपनी मर्जी से निर्णय करते हैं। हाल ही में तमिलनाडु के राज्यपाल ने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट निर्णयों के विपरीत जाकर राजभवन में 118 विधायकों के परेड करने का निर्देश सबसे बड़ी पार्टी को दे दिया। उन्होंने विजय को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाने से इनकार कर दिया। इसे कहते हैं, कुर्सी में ताकत होती है। कुर्सी में बैठा हुआ व्यक्ति निर्णय करता है। तमिलनाडु और केरल की सरकारें इसका स्वाद चख चुकी हैं। मुख्यमंत्री बनने के पहले विजय ने भी यह स्वाद चख लिया है। राज्यपाल ने बता दिया है कानून की किताबों में कोई ताकत नहीं होती है। नाही सत्ता में नैतिकता और जवाबदेही का कोई लेना-देना होता है। भले मुख्यमंत्री बन जाओ, चलना तो राज्यपाल की मर्जी से ही पड़ेगा।

### कांग्रेस और डीएमके के बीच तलाक

विधानसभा चुनाव के पहले कांग्रेस ने तमिलनाडु में कुछ सीट बढ़ाने की मांग स्टालिन से की थी। स्टालिन ने राहुल गांधी और कांग्रेस की मांग को नहीं माना। विधानसभा चुनाव के जो परिणाम आए। उसमें अभिनेता विजय की पार्टी ने 108 सीटों पर विजय प्राप्त करके, मुख्यमंत्री पद का दावा कर दिया। राहुल गांधी ने पांच विधायकों का समर्थन देकर विजय को अपने पाले में ले लिया। डीएमके और स्टालिन नाराज हो गए और उन्होंने इंडिया गठबंधन और कांग्रेस से पल्ला झाड़ लिया। राहुल गांधी ने तुरंत समर्थन नहीं दिया होता, तो एक विधायक वाली भाजपा तमिलनाडु में क्या करती, इसका एहसास शायद स्टालिन को नहीं है। अन्यथा वह इंडिया गठबंधन में बने रहते। डीएमके और अन्ना डीएमके का भविष्य किसी न किसी राष्ट्रीय पार्टी से जुड़ा होता है। राष्ट्रीय पार्टी के बिना दोनों का कोई अस्तित्व नहीं है।

# ऊर्जा संकट में सरकार बनी ढाल

डॉ. सुयश नारायण मिश्रा

होर्मुज मार्ग बंद होने से दुनिया झुलस रही है ऊर्जा संकट की आग से मोदी सरकार ने सूझबूझ से जनता पर नहीं आने दी इस संकट की आंच, खुद उठाया बोझ।ऽ भारत में सामान्य रूप से होते रहे सभी कार्य जनता को भी देना होगा धैर्य के साथ देश का साथ वैश्विक युद्ध और होर्मुज संकट का असर आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। युद्ध की लपटें केवल सीमाओं तक सीमित नहीं हैं, उनका असर हर घर की रसोई, हर वाहन के पहिए और हर परिवार के बजट तक पहुंच चुका है। कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें इतिहास के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगीं, महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी और सरकारें अपने नागरिकों के गुस्से का सामना करने को मजबूर हो गईं।

लेकिन इसी उथल-पुथल के बीच आज युद्ध के लगभग 11 सप्ताह बीतने पर भी भारत में जीवन की सामान्य गति बनी रही, करोड़ों परिवारों के चूल्हे जलते रहे, गाड़ियां चलती रहीं। यह अपने आप नहीं हुआ। इसके पीछे एक ऐसी नीति, ऐसी तैयारी और ऐसी संवेदनशील सोच थी जिसने वैश्विक तूफान के सामने भारत के नागरिकों को ढाल बनकर संरक्षण दिया। जब दुनिया ऊर्जा संकट की आग में झुलस रही थी, तब मोदी सरकार एक संरक्षक की तरह अपने नागरिकों के साथ खड़ी रही। जैसे द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों को बचाया था, वैसे ही इस कठिन समय में सरकार ने बढ़ती वैश्विक कीमतों और आर्थिक दबाव का बड़ा हिस्सा स्वयं अपने ऊपर उठाया, ताकि उसका बोझ सीधे जनता की थाली, रसोई और जेब तक न पहुंचे।

यही कारण है कि आज यह संकट केवल आर्थिक प्रबंधन की कहानी नहीं, बल्कि संवेदनशील शासन, दूरदर्शी नेतृत्व और नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व की मिसाल बन चुका है। दुनिया भर में बढ़ती कीमतों का बोझ सीधे जनता पर डाल देना सबसे आसान रास्ता था और कई देशों ने ऐसा ही किया, लेकिन भारत ने यह रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने स्वयं भारी

यूरोप और एशिया के कई देशों में पेट्रोल 30 से लेकर 35 प्रतिशत तक महंगा हुआ, जबकि भारत में कोई बदलाव नहीं किया गया। हांगकांग में आज पेट्रोल सबसे महंगा है। वहीं एक लीटर की कीमत लगभग 295 रुपये पहुंच गई है, जो 28 फरवरी के बाद 25 प्रतिशत बढ़ी है। सिंगापुर में दाम 30 प्रतिशत बढ़कर करीब 240 रुपये प्रति लीटर हो गया है। नीदरलैंड में पेट्रोल 225 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है, जो 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। युद्धग्रस्त इज़राइल में पेट्रोल 30 प्रतिशत महंगा होकर 185 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं भारत में अब भी पेट्रोल की कीमत 95 रुपये प्रति लीटर है। प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ का घाटा उठाना कोई साधारण बात नहीं है। अब तक लगभग 68,000 करोड़ का बोझ सरकार और तेल कंपनियों ने अपने ऊपर लिया है।

आर्थिक दबाव सहा ताकि आम आदमी की रसोई और रोजमर्रा की जिंदगी पर कम से कम असर पड़े। सरकार ने लगभग पेट्रोल पर 24 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल पर 30 रुपये प्रति लीटर का भार वहन किया। 28 फरवरी के बाद से वैश्विक स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। यूरोप और एशिया के कई देशों में पेट्रोल 30 से लेकर 35 प्रतिशत तक महंगा हुआ, जबकि भारत में कोई बदलाव नहीं किया गया। हांगकांग में आज पेट्रोल सबसे महंगा है। वहां एक लीटर की कीमत लगभग 295 रुपये पहुंच गई है, जो 28 फरवरी के बाद 25 प्रतिशत बढ़ी है। सिंगापुर में दाम 30 प्रतिशत बढ़कर करीब 240 रुपये प्रति लीटर हो गया है। नीदरलैंड में पेट्रोल 225 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है, जो 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। युद्धग्रस्त इजराइल में पेट्रोल 30 प्रतिशत महंगा होकर 185 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं भारत में अब भी पेट्रोल की कीमत 95 रुपये प्रति लीटर है। प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ का घाटा उठाना कोई साधारण बात नहीं है।

अब तक लगभग 68,000 करोड़ का बोझ सरकार और तेल कंपनियों ने अपने ऊपर लिया है। यह आंकड़ा उस संवेदनशील सोच का प्रमाण है जिसमें मोदी सरकार ने पहले नागरिकों की चिंता की और बाद में अपने खजाने की। सोचिए, यदि यही संकट बिना तैयारी के आया होता तो क्या स्थिति होती? रसोई गैस महंगी होती, परिवहन लागत बढ़ती, महंगाई हर घर तक पहुंचती और मध्यम वर्ग से लेकर गरीब तक का बजट डगमगा जाता।

लेकिन साल 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आते ही स्थितियां बदलनी शुरू हुईं। पिछले वर्षों में ऊर्जा सुरक्षा को लेकर जो दूरदर्शी तैयारी की गई, वही आज देश की ढाल बनकर खड़ी है। तेल भंडार तैयार किए गए, एथनॉल ब्लेंडिंग बढ़ाई गई, वैकल्पिक ईंधन नेटवर्क विकसित हुआ और रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार शुरू हुआ। वैकल्पिक ईंधन के माध्यम से एलपीजी की मांग को 70 से 75 हजार टन प्रति दिन कम किया गया। यह केवल इसलिए संभव हुआ क्योंकि पीएनजी, मिट्टी का तेल, ईंधन तेल और बायोमास की वैकल्पिक अवसंरचना संकट से पहले से तैयार थी। जापान और दक्षिण कोरिया के बाद भारत ही ऐसा देश है जो 30-दिवसीय एलपीजी भंडार की योजना बना रहा है। इस युद्ध से उत्पन्न संकट से पता चलता है ये हमारी आज की आवश्यकता है। आज भारत के पास 5.33 मिलियन टन का रणनीतिक तेल भंडार है और दूसरे चरण के तहत चंडीखोल, पादुर और बीकानेर में अतिरिक्त भंडारण क्षमता तैयार की जा रही है। यह केवल परियोजनाएं नहीं हैं, बल्कि भविष्य के संकटों से देशवासियों को सुरक्षित रखने की तैयारी है। एथनॉल मिश्रण की नीति ने भी इस कठिन समय में देश को बड़ी राहत दी। 20 प्रतिशत ब्लेंडिंग के कारण भारत विदेशी मुद्रा की भारी बचत कर पा रहा है। संकट के दौरान वैकल्पिक ईंधन व्यवस्था के जरिए एलपीजी की मांग में प्रतिदिन 70 से 75 हजार टन तक कमी लाई गई। ये कदम बताते हैं कि सरकार ने केवल आज के लिए नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए भी सुरक्षा का रास्ता तैयार किया है।

युद्ध अब भी जारी है। आने वाले समय में कठिन फैसले लेने पड़ सकते हैं। लेकिन देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि जब पूरी दुनिया दबाव में थी, तब भारत सरकार ने अपने नागरिकों को अकेला नहीं छोड़ा। उसने एक अभिभावक की तरह जिम्मेदारी निभाई। सरकारें केवल योजनाओं और घोषणाओं से बड़ी नहीं बनतीं, बल्कि कठिन समय में अपने लोगों के साथ खड़े होने से बड़ी बनती हैं। इस वैश्विक संकट के दौर में भारत ने यही करके दिखाया है। यही कारण है कि आज देश का आम नागरिक सिर्फ राहत महसूस नहीं कर रहा, बल्कि उसके मन में यह भरोसा भी मजबूत हुआ है कि संकट चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, देश उसके साथ खड़ा है। हालांकि यह संकट अभी पूरी तरह टला नहीं है। समय की मांग यह भी है कि देश के नागरिक भी आने वाली चुनौतियों के प्रति सजग, संयमित और तैयार रहें। नागरिकों का कर्तव्य है कि ऊर्जा का इस्तेमाल किफायत से करें। वैश्विक संकट के बीच ढाल बनी भारत सरकार का धैर्यपूर्वक साथ दें।

## सुविचार

चरित्रहीन शिक्षा, मानवता विहीन विज्ञान और नैतिकता विहीन व्यापार खतरनाक होते हैं।

**- सत्यसाई बाबा**

मनुष्य की महानता उसके कपडों से नहीं बल्कि उसके चरित्र से आँकी जाती है।

**- स्वामी विवेकानन्द**

## प्रसंगत

### डॉक्टर की पहचान

रसायनशास्त्री नागार्जुन एक राज्य के राज वैद्य थे। एक दिन उन्होंने राजा से कहा, 'मुझे एक सहायक की जरूरत है।' राजा ने उनके पास दो कुशल युवकों को भेजा और कहा कि उनमें से जो ज्यादा योग्य लगे उसे रख लें। नागार्जुन ने दोनों की कई तरह से परीक्षा ली पर दोनों की योग्यता एक जैसी थी। नागार्जुन दुविधा में पड़ गए कि आखिर किसे रखें। अंत में उन्होंने दोनों युवकों को एक पदार्थ दिया और कहा, 'इसे पहचान कर कोई भी एक रसायन अपनी इच्छानुसार बनाकर ले आओ। हां, तुम दोनों सीधे न जाकर राजमार्ग के रास्ते से जाना।' दोनों राजमार्ग से होकर अपने-अपने घर चले गए। दूसरे दिन दोनों युवक आए। उनमें से एक युवक रसायन बना कर लाया था जबकि दूसरा खाली हाथ आया था। आचार्य ने रसायन की जांच की। उसे बनाने वाले युवक से उसके गुण-दोष पूछे। रसायन में कोई कमी नहीं थी। आचार्य ने दूसरे युवक से पूछा, 'तुम रसायन क्यों नहीं लाए?' उस युवक ने कहा, 'मैं पहचान तो गया था मगर उसका कोई रसायन में तैयार नहीं कर सका। जब मैं राजमार्ग से जा रहा था तो देखा कि एक पेड़ के नीचे एक बीमार और अशक्त आदमी दर्द से तड़प रहा है। मैं उसे अपने घर ले आया और उसी की सेवा में इतना उलझ गया कि रसायन तैयार करने का समय ही नहीं मिला।

## जरा हटके

# नासा ने गैलेक्सी एम-77 की तस्वीरें कीं जारी

**नई दिल्ली, (ईएमएस)।** अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप की मदद से गैलेक्सी एम-77 की तीन तस्वीरें जारी की हैं। इन तस्वीरों में गैलेक्सी का केंद्र इतनी तेजी से चमक रहा है कि पूरी गैलेक्सी चमक रही है। सबसे खास बात इन तस्वीरों में दिखने वाले 'डिफ्रैक्शन स्पाइक्स' हैं, जो टेलीस्कोप के ऑप्टिक्स की वजह से बनने वाला एक ऑप्टिकल प्रभाव है। ये डिफ्रैक्शन स्पाइक्स कोई गैलेक्सी की असली संरचना नहीं बल्कि टेलीस्कोप का ऑप्टिकल प्रभाव है। गैलेक्सी एम-77 सर्पिल गैलेक्सी है और सक्रिय केंद्र वाली गैलेक्सियों में से एक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नासा की इन तस्वीरों से वैज्ञानिकों को ब्लैक होल के आसपास की गतिविधि नए तारों के निर्माण और गैलेक्सी की संरचना को बेहतर समझने में मदद मिलेगी। नासा ने इन तस्वीरों के साथ लिखा- किसी को भी अपनी चमक कम न करने दें। गैलेक्सी एम-77 का केंद्र इतना चमकदार है क्योंकि गैस उसके केंद्रीय ब्लैक होल के चारों ओर बहुत तेज गति से घूम रही है। इस तेज घुमाव से गैस गर्म हो जाती है और भारी मात्रा में ऊर्जा व रेडिएशन निकालती है। पहली तस्वीर- मिड-इन्फ्रारेड व्यू है। इस तस्वीर में गैलेक्सी के केंद्र से निकलने वाली तेज चमक सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। केंद्र से छह बड़ी और दो छोटी चमकदार नारंगी किरणें बाहर की ओर निकल रही हैं। ये किरणें असल में 'डिफ्रैक्शन स्पाइक्स' हैं, जो वेब टेलीस्कोप की बनावट के कारण पैदा होते हैं। गैलेक्सी की सर्पिल भुजाओं में नारंगी रंग के चमकते बुलबुले दिख रहे हैं, जो नए बने तारों के समूह या स्टार क्लस्टर्स हैं। गैलेक्सी का बाकी हिस्सा धूल के नीले घूमते बादलों से भरा नजर आ रहा है। वहीं, दूसरी तस्वीर नियर-इन्फ्रारेड व्यू है, जिसमें गैलेक्सी के केंद्र में 6 हजार प्रकाश वर्ष लंबा एक 'बार' साफ दिख रहा है। यह बार एक चमकदार छल्ले से घिरा हुआ है, जिसे 'स्टारबर्स्ट रिंग' कहा जाता है। यह छल्ला गैलेक्सी की दो सर्पिल भुजाओं के अंदरूनी सिरों से बनता है। स्टारबर्स्ट क्षेत्र वे जगहें हैं जहां नए तारे बहुत तेजी से बन रहे हैं। यहां भी केंद्र से छह लंबी चमकदार किरणें यानी डिफ्रैक्शन स्पाइक्स निकल रही हैं। तीसरी तस्वीर दोनों इन्फ्रारेड व्यूज का कॉम्बिनेशन हैं। यह तस्वीर मिड-इन्फ्रारेड और नियर-इन्फ्रारेड दोनों को मिलाकर बनी है। इसमें गैलेक्सी की खूबसूरती और वैज्ञानिक महत्व दिख रहा है। केंद्र से निकलने वाले डिफ्रैक्शन स्पाइक्स, स्टारबर्स्ट रिंग, सर्पिल भुजाएं और धूल के बादल सभी स्पष्ट नजर आ रहे हैं। वेब टेलीस्कोप की बनावट की वजह से चमकदार वस्तुओं के चारों ओर छह-प्लस-दो बिंदुओं वाला पैटर्न बनता है।

## फोटो ऑफ द डे

बैंकाक में थाइलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री तकसिन सिनवात्रा जेल से पेरोल पर बाहर आने के बाद अपने समर्थकों का अभिवादन करते हुए। -फोटो-ईएमएस

## चिंतन-मनन

### दृष्टि में सब रखें

एक व्यक्ति ने कहा, सर्दी लग रही है। ठिठुर रहा हूं। दूसरे ने कहा, जाओ, कपड़ा ओढ़ लो। वह घर में गया और मलमल की चादर ओढ़ आया। आकर बोला, कपड़ा ओढ़ लिया, फिर भी ठंड लग रही है। उसने कहा, भले आदमी ! मैंने कपड़ा ओढ़ने के लिए कहा था। इस ठिठुरन से बचने के लिए कैसा कपड़ा ओढ़ना है, यह विवेक तो तुम्हें होना ही चाहिए। मलमल से ठंड नहीं रुकती। वह रुकती है मोटे कपड़े से, ऊनी कपड़े से। जब तक मोटा कपड़ा या ऊनी कपड़ा नहीं ओढ़ा जाएगा, ठंड रुकेगी नहीं। कहने का अर्थ है कि यही बात देखने के विषय में है। देखना भी चल रहा है और विचार भी चल रहा है, यह नहीं होना चाहिए। देखने में केवल देखना ही चले। यह तभी संभव है जब देखना सघन हो। ठंड का रुकना तभी संभव है जब मोटा कपड़ा ओढ़ा जाए। प्रश्न होता है कि किसे देखें? क्या देखें? अच्छा-बुरा जो भी आए उसे देखें। प्रोथ आए तो उसे भी देखो। मान आए तो उसे भी देखो। वास्तव में जो प्रोथ को देखता है, वही मान को देखता है। प्रोथ हमारी सबसे स्थूल वृत्ति है। यह सबके समक्ष प्रत्यक्ष होती है। मान छिपा रहता है। प्रकट कम होता है। प्रोथ तत्काल प्रकट हो जाता है। प्रोथ का परिणाम -दुख को देखो। सुख को भी देखो। सुख के स्पंदनों को देखो। दुख के स्पंदनों को देखो। जो भी अच्छा या बुरा है, उसे देखो। श्वास को देखो। शरीर को देखो। समत्व को देखो। तटस्थता को देखो। अनन्यदर्शी को देखो। उसको देखो जहां दूसरा कोई नहीं है।

## व्यंग

# कोई शक?

डॉ. तैलजा सक्सेना

कहते हैं कि शक करना एक बीमारी है। शक करने वाला कभी शान्ति से नहीं रह पाता। शान्ति से न रह पाने वाली बात तो सही है इसीलिए हमारे बड़े-बूढ़े विश्वास करने की बात कहते थे। विश्वास में शान्ति और सुख है अतः हमें उसी का पाठ पढ़ाया जाता रहा और शक या संदेह को बहुत निम्न स्तर का या कहें कि रोग की तरह 'छी-छीं' करके दुत्कारा गया।

मैं सोचती हूँ कि शक को हीनता से देखना किस समय से सिखाया जा रहा होगा क्योंकि सनातन धर्म में और उससे निकले धर्मों में तो तर्क को, प्रश्न को स्थान दिया गया है। गीता में अर्जुन लगातार युद्ध पर शक करते हैं और श्री कृष्ण बिना नाराज़ हुए उत्तर देते हैं यहाँ तक कि उनके शक को दूर करने के लिए अपने विराट स्वरूप को दिखा कर प्रमाण देते हैं। रामकथा में भी अनेक स्थानों पर संदेह/प्रश्न हैं जिनका उत्तर दिया गया है। शक तभी पैदा होते हैं जब मिले हुए उत्तरों पर विश्वास नहीं होता। विश्वास न होने के लिए शक का होना आवश्यक है। मुझे शक है कि शक को सेहत का दुश्मन बता कर 'हकीम लुकमान के पास भी इसका इलाज न होने' की बात करने वाले समाज ने शक को कमतर ठहराया होगा। साथ ही हर शीर्ष सत्ता ने अपने से नीचे के लोगों को दबाने के लिए शक न करने की सलाह दी होगी जिससे उनका वर्चस्व कभी प्रश्नों और संदेह के घेरे में न आए। मुझे इस शक न करने वाली सीख पर शक हुआ और शक करना अच्छी और सही बात लगी। शक करने से व्यक्ति को सही और ग़लत जाँचने की बुद्धि को तीव्र करने का मौक़ा मिलता है। अगर यह शक न किया जाता कि जिस जगह हम रह रहे हैं तो जान न पाते कि उसके आगे भी दुनिया है, तो लोग नए देशों की खोज न करते बल्कि आज के समय में कहें तो वे न कभी चाँद पर जा सकते थे और न ही वे नए ग्रहों की खोज कर पाते। उन्होंने शक किया कि चंद्रमा केवल कवियों की उपमाओं को सुंदर स्त्रियों के चेहरे से तुलना करने के लिए नहीं बना, उन्होंने यह भी शक किया कि वह न तो मामा है और न ही घर में पुए पकाता है, न वहाँ कोई बूढ़ी नानी अकेली बैठी चरखा कात रही है, शक ने उन्हें खोज करने, आविष्कार करने और उस तक पहुँचने के दुस्साहस की ओर ढकेला। अगर वे इन्हीं कही हुई बातों पर विश्वास कर लेते तो मामा के आने और पुए खिलाने का इंतज़ार ही करते रहते! और जब वे इस इंतज़ार से दुखी होते तो शायर लोग फिर उन्हें समझाते कि 'इंतज़ार करने में जो मज़ा है . . .' धत! यह भी झूठ है। झूठ के सच होने का इंतज़ार मज़ा नहीं, सज़ा है।

## स्वास्थ्य

# गर्मियों में अखरोट खाने से हो सकती है पेट में गर्मी, एसिडिटी

**नई दिल्ली (ईएमएस)।** गर्मियों में अखरोट की तासीर गर्म मानी जाती है, इसलिए इसे खाने में सावधानी बरतनी चाहिए। कच्चा अखरोट गर्मियों में पेट में गर्मी, एसिडिटी या सीने में जलन पैदा कर सकता है। अखरोट सेहत के लिए बेहद फायदेमंद ड्राई फ्रूट माना जाता है, जो ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन, विटामिन, मिनरल और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। इसे सुपरफूड भी कहा जाता है क्योंकि यह दिमाग की सेहत सुधारने, हार्ट हेल्थ बेहतर करने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद एंजाइम इन्हिबिटर्स पाचन को धीमा कर देते हैं, जिससे गैस और अपच की समस्या हो सकती है। इसके अलावा इसमें फाइटिक एसिड भी पाया जाता है, जो शरीर में मिनरल्स के अब्जॉर्प्शन को रोकता है। ऐसे में गर्मियों में अखरोट को भिगोकर खाना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

भिगोए हुए अखरोट में मौजूद एंजाइम इन्हिबिटर्स खत्म हो जाते हैं और फाइटिक एसिड का स्तर भी कम हो जाता है, जिससे पाचन आसान होता है और पोषक तत्वों का अवशोषण बेहतर होता है। भीगे हुए अखरोट की तासीर हल्की ठंडी हो जाती है, जो गर्मियों के मौसम के लिए उपयुक्त है। अखरोट को 6 से 8 घंटे तक पानी में भिगोकर रखना चाहिए, रातभर भिगोना सबसे अच्छा तरीका है। सुबह इसका छिलका उतारकर खाना चाहिए, क्योंकि छिलके में टैनिन पाया जाता है।

# आग में खाकर हुई निजी ट्रेवल्स की बसे

**वेल्डिंग के दौरान हुआ हादसा, तीन बसें और आठ दो पहिया वाहन जले, घटना के दौरान हुए धमाके, फायर ब्रिगेड ने 65 हजार लीटर पानी से पाया काबू**

**इंदौर (नवीन मौर्य)।** नवलखा इलाके के तीन इमली क्षेत्र में सोमवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब सर्विस रोड पर खड़ी निजी ट्रेवल्स की एक बस में लगी आग ने पास में ही खड़ी दो और बसों को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते तीनों बसें आग की लपटों में घिर गई।

और पास खड़े करीब आठ दोपहिया वाहन भी चपेट में आकर जलने लगे। घटना के दौरान धमाके भी हुए, जिससे पूरा क्षेत्र दहल गया।87 आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और करीब 65 हजार लीटर पानी का उपयोग कर आग पर काबू पाया। बताया जाता है कि एक बस में वेल्डिंग का काम हो रहा था, इस दौरान आग लगी और फैल गई। आग में जनहानि तो नहीं हुई लेकिन करोड़ों का नुकशासन जरूर हुआ है। जानकारी के अनुसार घटना सोमवार दोपहर करीब पौने बारह बजे की है। नवलखा क्षेत्र स्थित सर्विस रोड पर इंटरसिटी ट्रेवल्स की अंतराज्यीय बसें खड़ी रहती हैं। सोमवार को यहां एक बस में वेल्डिंग का काम चल रहा था तभी बीच में खड़ी बस में अचानक आग की लपटें उठने लगी देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पास खड़ी अन्य दो बसों को भी चपेट में ले लिया। आग बढ़ी तो पार्किंग में खड़ी अन्य बसों को चालकों ने फौरन वहां से हटाया और दमकलकर्मियों को सूचना दी।

### दूरे से दिखाई दिया धुआं और लपटें

सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां और पुलिस अफसर मौके पर पहुंच गए। हालांकि तब तक आग की लपटें और तेज हो गई थी। करीब पांच किलोमीटर दूर से आग की लपटें दिखाई दे रही थीं। बसों के पास खड़े करीब आठ दोपहिया वाहन भी आग की चपेट में आ गए। इससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

### खाकर हो गए वाहन

करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि अग्निकांड में तीन बसें और आठ मोटरसायकल जलकर खाक हो गई। 65 हजार लीटर पानी का उपयोग कर आग को बुझाया गया। आग में करोड़ों का नुकसान हुआ है। वहीं बसों में भी धमाके हुए जिससे इलाका दहल उठा।

### पार्किंग में 20 से इयादा बसें खड़ी थीं

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि हादसे के वक्त मौके पर 20 से ज्यादा बसें खड़ी थीं। आनन-फानन में इन्हें यहां से हटाया गया। आसपास रिहायशी बस्ती होने की वजह से लोगों में घबराहट फैल गई। वे घरों से बाहर निकल आए।

### पार्षद बोले- कई बार शिकायत की

स्थानीय पार्षद मनीष शर्मा ने कहा- रिहायशी इलाके में निजी बसों की पार्किंग और मरम्मत को लेकर पहले भी कई बार शिकायत की जा चुकी है। सुनवाई नहीं होने से हमेशा बड़े हादसे का खतरा बना रहता है। पार्षद शर्मा मौके पर ही धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा- जब तक बसें यहां से नहीं हटतीं और इसका समाधान नहीं निकलता, मैं धरने पर ही बैठा रहूंगा। पुलिस ने बताया कि हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के कारणों का पता लगा रहे हैं।

### कैमिकल फैक्ट्री में भी लगी आग

सोमवार सुबह एक कैमिकल फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और करीब आध घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। समय रहते आग बुझा लिए जाने से बड़ा हादसा टल गया। हालांकि फैक्ट्री में रखा सामान जल गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। फायर ब्रिगेड के मुताबिक सोमवार सुबह कंट्रोल रूम को लसूड़िया की फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद दमकल वाहन मौके पर भेजे गए। आग के कारण फैक्ट्री परिसर में धुआं फैल गया था। कर्मचारी को बाहर निकालकर सुरक्षा व्यवस्था की गई। टीम ने पानी की बौछार कर आग को फैलने से रोक दिया। इससे पहले कैलाश मार्ग स्थित एक मकान में भी आग लगने की घटना सामने आई थी। वहबीं करीब पांच हजार लीटर पानी की मदद से आग बुझाई गई। वहीं एमआर 10 क्षेत्र स्थित एक रूई की फैक्ट्री में भी भीषण आग लग गई थी। आग में फैक्ट्री में रखा सामान और मशीनरी जलकर खाक हो गई। आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड को करीब 46 हजार लीटर पानी का उपयोग करना पड़ा था।

# जल ही शक्ति, एक-एक बूँद का सदुपयोग करना ही सच्ची सेवा

**इंदौर,।** भारत वह देवभूमि है जो माटी से जुड़कर जीना जानती और सिखाती है। दुनिया में सबसे पहले माटी की महत्ता भारत ने ही जानी और पहचानी है। हम सबके जाति और धर्म भले ही अलग-अलग हों, मिटटी तो एक ही है। मिटटी के बिना हमारा कोई अस्तित्व नहीं हो सकता। माटी से जुड़कर जीने की बात पूरे विश्व को केवल भारत ने ही सिखाई है। माँ नर्मदा केवल नदी या जलधारा नहीं, जीवन का ऐसा प्रवाह है जो हमें जीने की शक्ति, ऊर्जा और प्रकृति से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है। माँ नर्मदा भगवती का ऐसा स्वरुप है, जहाँ कदम-कदम पर आज भी देवताओं का वास और निवास माना जाता है। यह जल नहीं, अमृत की धारा देने वाली संजीवनी है जिसकी महत्ता को शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं। ये दिव्य विचार हैं देश के तपोनिष्ठ संत दादागुरु भगवान के, जो उन्होंने खजराना गणेश मन्दिर स्थित सत्संग सभागृह पर अ.भा. दादा गुरु परिवार इंदौर नर्मदा मिशन की मेजबानी में गत 5 मई से चल रहे नर्मदा चिंतन ज्ञान यज्ञ में सोमवार को माँ नर्मदा की महिमा और माँ से जुड़े प्रेरक संस्मरणों का उल्लेख करते हुए व्यक्त किए।

दादागुरु पिछले 2034 दिनों से केवल माँ नर्मदा के जल पर आश्रित रहने वाले ऐसे संत हैं जो शहरी क्षेत्र में रात्रि विश्राम नहीं करने लेकिन जहाँ कहीं भगवती नर्मदा के चिंतन का प्रसंग होता है, वहां जरुर रुक जाते हैं। इंदौर प्रवास में उन्होंने रविवार की रात को खजराना गणेश मंदिर के भक्त निवास में रात्रि विश्राम किया और इस दौरान मंदिर से जुड़े विभिन्न प्रसंगों के बारे में भी जानकारी प्राप्त करने के बाद सोमवार को धर्मसभा में खजराना गणेश से जुड़े प्रसंग भी बताए। प्रारम्भ में नर्मदा परिक्रमावासी आचार्य पं. रविकांत शास्त्री, संयोजक समाजसेवी राजेंद्र बंसल, नित्यम बंसल, प्रेमा बंसल, इशिता जैन, अंकित जैन, गोपाल गोयल, केके गोयल, मनोज अग्रवाल, प्रणीत बंसल, शिव जिंदल, ज्योति बंसल, इधिका बंसल, कैलाश बंसल, नीरज अग्रवाल आदि ने उनकी अगवानी की। दादागुरु ने कथा समापन अवसर पर इस ज्ञान यज्ञ के पहले दिन निकली वृक्ष कलश यात्रा में शामिल मातृशक्ति को पौधे भेंटकर जल एवं पर्यावरण संरक्षण का सन्देश भी दिया। इसके पूर्व दादागुरु ने खजराना गणेश मंदिर में पहुंचकर भगवान गणेश एवं अन्य मंदिरों में भी दर्शन पूजन किए।

**इंदौर को फिर नंबर–1 बनाने की कवायद ; निगमायुक्त ने**

# सड़कों पर उतरकर देखी सफाई, अफसरों को दिए सख्त निर्देश

**मंडियों और चौराहों का किया दौरा; कूड़ा प्रबंधन और शौचालयों की स्थिति सुधारने को कहा**

**इंदौर।** स्वच्छता के शिखर पर इंदौर का स्थान बरकरार रखने के लिए नगर निगम ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियों को परखने के लिए सोमवार को निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शहर के विभिन्न हिस्सों का सघन दौरा किया। उन्होंने सफाई व्यवस्था को बारीकी से देखा और अधिकारियों को स्पष्ट किया कि सर्वेक्षण की गाइडलाइन के अनुसार सभी कार्य समय-सीमा में पूरे किए जाएं। इस दौरान अपर आयुक्त प्रखर सिंह और स्वास्थ्य विभाग की टीम भी साथ रही। आयुक्त ने चोइथराम सब्जी मंडी, फ्रूट मंडी, राजकुमार ब्रिज और रीगल चौराहे जैसे प्रमुख क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि सड़कों और चौराहों पर स्वच्छता के साथ-साथ फ्लाईओवरों के नीचे हरियाली विकसित करने और रंगाई-पुताई का काम जल्द पूरा किया जाए। आयुक्त ने दौटूक कहा कि शहर की सुंदरता और सफाई मानकों में किसी भी तरह की सुस्ती बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

### कचरा केंद्रों की व्यवस्था सुधारने पर जोर

कबीटखेड़ी और राजकुमार ब्रिज के पास स्थित कचरा केंद्रों (3-आर सेंटर) के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने सफाई व्यवस्था पर असंतोष जताया। उन्होंने अफसरों को हिदायत दी कि इन केंद्रों और एमआरएफ प्लांट पर कचरे के निपटारे का काम सुचारू रूप से चलता रहना चाहिए। साथ ही उन्होंने शहर के सार्वजनिक शौचालयों (सीटी-पीटी) के रखरखाव और वहां नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

### मैदान में दिखेगी मुस्तैदी

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने निजी स्कूलों में दिव्यांगजनों के लिए बने शौचालयों और व्यावसायिक इलाकों में कचरा प्रबंधन की इकाइयों की भी जांच की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता का लक्ष्य केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि जमीन पर आम जनता को इसका लाभ दिखे। प्रशासन की कोशिश है कि जन-भागीदारी और मैदानी कर्मचारियों की मुस्तैदी के जरिए इंदौर एक बार फिर स्वच्छता का गौरव हासिल करे।

### ट्रेन में छूटा लाखों के जेवर से भरा बैग, जीआरपी ने ढूंढा

**इंदौर (नगर संवाददाता)।** ट्रेन में यात्रा के दौरान यात्री के बैग जिसमें 8.50 लाख रुपए के जेवर एवं अन्य सामान था गुम हो गया। जीआरपी को सूचना देने पर महू से यात्री के बैग ढूंढकर यात्री को तत्काल लौटा दिए गए। जीआरपी इंदौर से उनि सियाराम निनामा द्वारा प्रयागराज एक्सप्रेस के कोच एस.2 की बर्थ क्रमांक 33 एवं 34 पर एक यात्री का ब्लू कलर का ट्रॉली बैग एवं एक अन्य बैग छूट जाने की सूचना चौकी जीआरपी डॉक्टर अंबेडकर नगर को दी गई।

# लॉरेंस गैंग की मदद करने वाला सचिन गिरफ्तार

**बिल्डर की रैकी कर हैरी बॉक्सर तक पहुँचाई थी लोकेशन**

**इंदौर।** लॉरेंस बिश्नोई गैंग द्वारा इंदौर के बिल्डर और कारोबारियों को दी गई धमकियों के मामले में क्राइम ब्रांच की एसआईटी ने एक और महत्वपूर्ण कड़ी को जोड़ने में सफलता प्राप्त की है।

पुलिस ने आरोपी सचिन उर्फ वेद प्रकाश शर्मा को गिरफ्तार किया है, जिसने गैंग के गुर्गों को शहर के प्रतिष्ठित बिजनेसमैन के घर, ऑफिस और उनकी गतिविधियों की सटीक लोकेशन उपलब्ध कराई थी। आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि उसने अवैध लाभ कमाने की लालच में राजपाल चंद्रावत और कुलदीप चौहान की मदद की थी। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर गठित एसआईटी इस हुई कड़ी पूछताछ के बाद सचिन शर्मा का नाम सामने आया था। पुलिस ने साइबर सेल की तकनीकी मदद और मुखबिर तंत्र के जरिए जाल बिछाकर सचिन को धरदबोचा।

### सिग्नल ऐप के जरिए भेजी जाती थी जानकारी

आरोपी सचिन ने प्रारंभिक पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उसने बताया कि वह और कुलदीप चौहान मिलकर फरियादी की प्रॉपर्टी और उनके आने-जाने के रास्तों की रैकी करते थे। यह तमाम गोपनीय जानकारियां और लोकेशन राजपाल चंद्रावत को दी जाती थीं। इसके बाद राजपाल इन जानकारियों को सुरक्षित सिग्नल ऐप के माध्यम से विदेश में बैठे गैंगस्टर हैरी बॉक्सर तक पहुँचाता था। इसी रैकी के आधार पर हैरी बॉक्सर बिल्डर को धमकाता था।

### :: हो सकते हैं कई और बड़े खुलासे ::

क्राइम ब्रांच ने आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में बीएनएस की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि सचिन से हो रही पूछताछ में शहर के कुछ अन्य सफेदपोशों या संदिग्धों के नाम भी सामने आ सकते हैं जो परोक्ष रूप से इस नेटवर्क का हिस्सा हैं। फिलहाल पुलिस आरोपी को रिमांड पर लेकर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या उसने अन्य कारोबारियों की भी रैकी की थी। इस कार्यवाही के बाद शहर के व्यापारिक जगत ने राहत की सांस ली है।

# अरिहंत कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं भारतीय ज्ञान परंपरा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

**इन्दौर।** अरिहंत कॉलेज एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी * 'मध्य प्रदेश में शिक्षा के विकास हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं भारतीय ज्ञान परंपरा '* का शुभारंभ अरिहंत कॉलेज में हुआ। संगोष्ठी में शिक्षाविदों, शोधार्थियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित प्रथम तकनीकी सत्र का शुभारंभ , हुआ। प्रथम तकनीकी सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. कल्पेश पाठक, सदस्य WRC (NCTE), पूर्व कुलगुरु, गुजरात रहे तथा अध्यक्षता डॉ. पी.के. दुबे, प्राचार्य, स्वामी विवेकानंद कॉलेज ने की। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. अतुल कोठारी, राष्ट्रीय

सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास एवं अध्यक्षता देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राकेश सिंघई ने की। मंच पर सुश्री शोभा ताई पैठणकर (राष्ट्रीय संयोजक,शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास) एवं श्री जयंत कासलीवाल (संरक्षक,अरिहंत कॉलेज) उपस्थित रहे। *उद्घाटन सत्र का प्रमुख आकर्षण 'ज्ञान मंथन' शोध पत्रिका (जर्नल) का लोकार्पण रहा* अतिथियों ने शोध पत्रिका का विमोचन करते हुए इसे अकादमिक शोध एवं बौद्धिक विमर्श को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण प्रयास बताया अपने उद्बोधन में अतिथियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक शिक्षा प्रणाली से जोड़ने तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रभावी रूप से लागू करने पर विशेष बल दिया।

# अंतर्राष्ट्रीय सरगना तालुकदार के विरुद्ध इंटरपोल ने जारी किया रेड कॉर्नर नोटिस

**इंदौर/भोपाल (ई)।** मध्यप्रदेश में दुर्लभ वन्यजीवों के संरक्षण की दिशा में स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी और ऐतिहासिक सफलता दर्ज की है। दुर्लभ जलीय जीवों की तस्करी करने वाले एक विशाल नेटवर्क का खुलासा करते हुए इंटरपोल मुख्यालय (फ्रांस) ने बांग्लादेशी सरगना अल हज शफीकुल इस्लाम रहमान तालुकदार उर्फ रेमंड तालुकदार के विरुद्ध रेड कॉर्नर नोटिस जारी कर दिया है। तस्करी के इस अंतर्राष्ट्रीय सिंडिकेट की कड़ियाँ जुलाई 2025 में मुरैना से जुड़ी थीं। तब एसटीएसएफ ने दबिश देकर घड़ियाल के 30 बच्चे और दुर्लभ प्रजाति के 36 कछुए बरामद किए थे। जांच में खुलासा हुआ कि इन जीवों को चंबल से पकड़कर पश्चिम बंगाल के रास्ते बांग्लादेश भेजा जाता था। वहां से तालुकदार का गिरोह इन्हें म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया और अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में ऊँची कीमतों पर सप्लाई करता था।

## कानपुर से पकड़ा गया था मुख्य गुर्गा

नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए एसटीएसएफ ने कई राज्यों में जाल बिछाया और मार्च 2026 में कानपुर से देश के बड़े तस्कर तारकनाथ घोष को गिरफ्तार किया। घोष से हुई पूछताछ और डिजिटल इनपुट के आधार पर ही बांग्लादेशी मास्टरमाइंड तालुकदार का नाम सामने आया। मध्यप्रदेश वन विभाग ने ठोस सबूतों के साथ केंद्र सरकार और इंटरपोल से संपर्क किया, जिसके बाद 29 अप्रैल को आधिकारिक तौर पर नोटिस जारी हुआ।

## मप्र की विशेषज्ञता को मिली वैश्विक मान्यता

वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो नई दिल्ली के सहयोग से की गई इस कार्रवाई की चारों ओर सराहना हो रही है। उल्लेखनीय है कि इंटरपोल के 195 सदस्य देशों के बीच मध्यप्रदेश की एसटीएसएफ की जांच को पूर्व में भी चार बार सराहा जा चुका है। अब रेड कॉर्नर नोटिस जारी होने के बाद तालुकदार की गिरफ्तारी के लिए दुनिया भर की पुलिस सक्रिय हो गई है।

# परशुराम के सूत्रों को जन-जन तक पहुँचाने की जरूरत

**इंदौर ।** हमारी नई पीढ़ी को यह समझाना बहुत जरुरी है कि भगवान परशुराम से जुड़े अनेक मिथक समाज को भ्रमित कर रहे हैं। नई पौध को यह भी बताना होगा कि भगवान परशुराम ने एक ओर दस्यु मुक्त समाज और राष्ट्र के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाई वही दूसरी ओर ब्रह्मपुत्र, यमुना और चम्बल जैसी नदियों के उदगम में भी उनका योगदान रहा है। भगवान परशुराम केवल ब्राह्मणों के ही आराध्य नहीं हैं, बल्कि उन्होंने समाज के दलित और शोषित लोगों के हित में भी शंखनाद किया है। परशुराम की यशोगाथा इतनी विस्तृत है कि उसे दो-ढाई घंटे के इस कालखंड में नहीं

समझा जा सकता।

हमें अपने बच्चों को भगवान परशुराम के पुरुषार्थ, पराक्रम और अन्याय तथा अनीति के खिलाफ किए गए साहसिक संघर्षों से भी अवगत कराना होगा। इसके लिए सभी लोगों को मिलकर सार्थक प्रयास करने की जरूरत है तभी सही मायनों में हम भगवान परशुराम के उन सूत्रों को जन-जन तक पहुंचा सकेंगे, जिनमें सनातन संस्कृति और राष्ट्र की समृद्धि तथा सुदृढ़ता की मूल भावना मौजूद है। मप्र साहित्य अकादमी म.प्र. के निदेशक डॉ. विकास दवे ने रविवार की रात्रि को आद्य गौड़ ब्राह्मण सेवा न्यास द्वारा विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर महानिर्वाणी पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी श्री विशोकानन्द भारती महाराज के सानिध्य और मुख्य अतिथ्य में मुख्य वक्ता के रूप में 'श्री परशुराम यशोगाथा - भगवान परशुराम और राष्ट्र आराधना' जैसे प्रासंगिक विषय पर अपने प्रेरक और ओजस्वी विचार व्यक्त करते हुए ऐसी अनेक दिलचस्प और तथ्यात्मक बातें कही। प्रारंभ में न्यास के अध्यक्ष पं. दिनेश शर्मा ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि भगवान परशुराम को लेकर ब्राह्मण समाज के विभिन्न संगठनों द्वारा अनेक आयोजन किए जाते रहे हैं।

## सकल गुर्जर समाज महासभा में राम गुर्जर को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया

**इन्दौर।** 1857 के महान क्रांतिकारी नायक धन सिंह कोतवाल सिंह गुर्जर की बलिदान दिवस क्रांति दिवस के रूप में बनाया मनाया गया । इस कार्यक्रम में गुर्जर समाज के युवाओं को नई दायित्व की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सभी युवाओं को समाज हित में कार्य करने की सीख दी गई। वहीं महासभा के संयोजक रमेश गुर्जर व जिला अध्यक्ष सुनील गुर्जर ने इन्दौर युवा तरुणाई राम गुर्जर को सकल गुर्जर महासभा मध्यप्रदेश को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। सभी सामाजिक वरिष्ठजनों में संतोष गुर्जर, गौरी शंकर मुरलिया, ब्रजमोहन टाले, गुर्जर कमलेश चौधरी, आशीष गुर्जर ,हरिओम जी पाटिल सुबोध जी गुर्जर महेश टाले ,राजकुमार गुर्जर ,लोकेंद्र गुर्जर ,सुनील छलोत्रे आदि सभी ने बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

# वृद्ध पर धारदार हथियार से किया हमला

**इंदौर।** पंचमूर्तिनगर में रहने वाले एक वृद्ध कर बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। घटना के बाद घायल को एमवाय अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज जारी है। फिलहाल हमले के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पंचमूर्ति नगर निवासी मोहन पिता चैनसिंह(50) को घायल अवस्था में बडे अस्पताल लाया गया था। परिजनों ने बताया कि घर के पास ही कुछ लोगों ने उन प र हमला कर दिया। आरोप है कि बदमाशों ने सिर पर धारदार हथियार से वार किया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा तफरी मच गई और परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। आरोप है कि अस्पताल पहुंचने के बाद भी इलाज शुरू करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। घायल के साथ आई महिला लंबे समय तक परेशान होती रही। बाद में वहां मौजूद अन्य मरीजों के परिजनों ने मदद की तब जाकर उपचार शुरू हो सका।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार के सुपुत्र केसरी नंदन को परिणय सूत्र में बंधने पर आशीर्वाद दिया।

# ई-केवायसी नहीं होने से लाखों लोग सामाजिक सुरक्षा पेंशन से वंचित

**भोपाल ।** मध्यप्रदेश में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं से जुड़े हजारों हितग्राहियों की मुश्किलें ई-केवायसी अनिवार्य होने के बाद बढ़ गई हैं। प्रदेश सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि ई-केवायसी के बिना पेंशन जारी नहीं की जाएगी। इसके चलते बड़ी संख्या में पेंशनधारकों की राशि अटक गई है। अकेले भोपाल जिले में ही करीब 10 हजार पेंशनर्स ऐसे हैं जिन्हें पेंशन का लाभ नहीं मिल पा रहा है।प्रशासन द्वारा ई-केवायसी प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए कई स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। जिन हितग्राहियों के फिंगरप्रिंट मैच नहीं हो पा रहे हैं, उनके लिए आइरिस ऑथेंटिकेशन की व्यवस्था की गई है। वहीं चलने-फिरने में असमर्थ लोगों के लिए भौतिक सत्यापन का प्रावधान भी रखा गया है। इसके बावजूद लाखों लोग अब तक प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए हैं।

### शाहपुरा तालाब को बचाने नई तकनीक का प्रयोग

# बिना खुदाई बिछी 370 मीटर लंबी सीवेज लाइन

**भोपाल ।** भोपाल में शाहपुरा तालाब को प्रदूषण से बचाने के लिए नगर निगम ने पहली बार अत्याधुनिक अंडरग्राउंड ड्रिलिंग तकनीक का इस्तेमाल किया है। इस तकनीक की मदद से बिना सड़क खोदे 370 मीटर लंबी सीवेज लाइन बिछाई गई। खास बात यह रही कि पूरा काम केवल 25 दिनों में पूरा हो गया और न तो ट्रैफिक प्रभावित हुआ, न ही 30 साल से अधिक पुराने 23 पेड़ों को काटना पड़ा।नगर निगम ने प्रशासन अकादमी से बिल्डिंग परमिशन शाखा तक यह सीवेज लाइन इन्क्लाइंड ड्रिलिंग तकनीक के जरिए डाली है। पुरानी सीवेज लाइन कोटरा और हर्षवर्धन नगर से होकर होटल मैनेजमेंट संस्थान और 1100 क्वार्टर स्थित पुराने पंप हाउस तक जाती थी। लाइन जर्जर होने के कारण सीवेज का पानी रिसकर तालाब को लगातार प्रदूषित कर रहा था।नई लाइन बिछाने में सबसे बड़ी चुनौती रास्ते में मौजूद झील का पानी, पुलिया, बिजली और संचार केबल तथा बड़े पेड़ थे। यदि सामान्य खुदाई की जाती तो सड़क तोड़ने के साथ कई पेड़ों को कटाई भी करनी पड़ती। इसी वजह से नगर निगम ने आधुनिक ड्रिलिंग तकनीक अपनाई।नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन के अनुसार यह

बेहद चुनौतीपूर्ण परियोजना थी। उन्होंने बताया कि झील और पर्यावरणीय परिस्थितियों को देखते हुए पारंपरिक खुदाई संभव नहीं थी। भविष्य में भी घनी आबादी और पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्रों में इसी तकनीक को प्राथमिकता दी जाएगी।प्रभारी कार्यपालन यंत्री आरके त्रिवेदी ने बताया कि ड्रिलिंग मशीन में लगे सेंसर जमीन के भीतर की गहराई और सामने आने वाली बाधाओं की जानकारी लगातार देते रहते हैं। मशीन को ऊपर से रिगोट के जरिए संचालित किया जाता है, जिससे सड़क खोदने की जरूरत नहीं पड़ती और बिजली-पानी की लाइनें भी सुरक्षित रहती हैं।हालांकि यह तकनीक सामान्य खुदाई की तुलना में लगभग तीन गुना महंगी है। 370 मीटर लाइन डालने में करीब 5.5 लाख रुपये खर्च हुए, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि यदि सड़क दोबारा बनाना, ट्रैफिक प्रबंधन और पेड़ों की क्षति जोड़ी जाए तो कुल खर्च लगभग बराबर ही बैठता।नगर निगम अब माता मंदिर और चार इमली जैसे घने इलाकों में भी इसी तकनीक का उपयोग करने की तैयारी कर रहा है ।

### सिंगल एजेंसी क्लियरेंस सिस्टम से खत्म होंगे विभागों के चक्कर

# मकान बनाना होगा आसान, एक आवेदन पर मिलेंगी सभी मंजूरियां

- मध्य प्रदेश में अब मकान निर्माण की सभी मंजूरियां एक ही आवेदन से मिलेंगी।
- सिंगल एजेंसी क्लियरेंस सिस्टम से विभागों के चक्कर खत्म होंगे।
- फायर, बिजली, पानी, सीवर और गुमास्ता लाइसेंस की मंजूरी एक पोर्टल पर मिलेगी।
- संयुक्त निरीक्षण और ऑनलाइन ट्रैकिंग से प्रक्रिया तेज और पारदर्शी बनेगी।
- नई व्यवस्था से मंजूरी का समय 30-90 दिन से घटकर 7-21 दिन रह जाएगा।

**भोपाल ।** मध्य प्रदेश में अब मकान बनाने, बिजली कनेक्शन लेने और अन्य जरूरी अनुमतियों के लिए लोगों को अलग-अलग विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। राज्य सरकार सिंगल एजेंसी क्लियरेंस सिस्टम लागू करने जा रही है, जिसके तहत एक ही आवेदन के जरिए नगर निगम, बिजली कंपनी, फायर विभाग और अन्य एजेंसियों से मंजूरी मिल सकेगी।

यह नई व्यवस्था 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के तहत तैयार की जा रही है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने इसका पूरा खाका तैयार कर लिया है और 13 मई को मंत्रालय में इसका प्रजेंटेशन दिया जाएगा। सरकार का उद्देश्य निर्माण और व्यावसायिक अनुमति प्रक्रियाओं को तेज, पारदर्शी और डिजिटल बनाना है।नई प्रणाली एक कॉमन इंटीग्रेटेड डिजिटल पोर्टल पर आधारित होगी। यहां नागरिकों को अलग-अलग विभागों के लिए अलग आवेदन नहीं करना होगा। फायर एनओसी, पानी, सीवर, बिजली, पर्यावरण और गुमास्ता लाइसेंस जैसी सभी मंजूरियों के लिए केवल एक कॉमन एप्लीकेशन फॉर्म भरना होगा।इस सिस्टम में आवेदन से लेकर अंतिम स्वीकृति तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। नागरिक यह भी देख सकेंगे कि उनकी फाइल किस अधिकारी के पास लंबित है। स्वीकृत नक्शे और ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट डिजिटल हस्ताक्षर के साथ जारी किए जाएंगे।नई व्यवस्था की सबसे बड़ी खासियत जॉइंट इंस्पेक्शन सिस्टम होगा। अभी अलग-अलग विभाग अलग-अलग समय पर निरीक्षण करते हैं, जिससे प्रक्रिया लंबी हो जाती है। प्रस्तावित मॉडल में सभी विभागों की संयुक्त टीम एक बार में साइट निरीक्षण करेगी। इसके साथ ही अधिकृत आर्किटेक्ट और स्ट्रक्चरल इंजीनियरों के थर्ड पार्टी सर्टिफिकेशन को भी मान्यता दी जाएगी, जिससे मंजूरी की प्रक्रिया और तेज होगी।वर्तमान में बिल्डिंग परमिशन और अन्य एनओसी लेने में 30 से 90 दिन तक लग जाते हैं, लेकिन नई व्यवस्था लागू होने के बाद यही प्रक्रिया 7 से 21 दिनों में पूरी हो सकेगी। सिस्टम नक्शा अप्रूवल होते ही एफएआर, सेटबैक और ऊंचाई जैसे नियमों की स्वत: जांच करेगा और सभी विभागों की मंजूरियां बैकएंड में एक साथ प्रोसेस होंगी।

### कब्रिस्तान के नीचे लाइन बिछाने पर आपत्ति

# मेट्रो परियोजना को लेकर बढ़ा विवाद, हिंदू संगठनों ने उठाए सवाल

**भोपाल ।** मेट्रो परियोजना को लेकर अब धार्मिक और कानूनी विवाद गहराता जा रहा है। राजधानी में भोपाल टॉकीज क्षेत्र स्थित प्राचीन कब्रिस्तान के नीचे से प्रस्तावित अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन को लेकर वक्फ बोर्ड में सुनवाई चल रही है। मामले में स्टे पर बहस के लिए 14 मई की तारीख तय की गई है, जिसमें मेट्रो प्रबंधन अपना पक्ष रखेगा। इस बीच हिंदू संगठनों ने भी इस मुद्दे पर आपत्ति दर्ज कराते हुए सरकार से समान नीति अपनाने की मांग की है।हिंदू उत्सव समिति और संस्कृति बचाओ मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी समुदाय के धार्मिक स्थलों को बाधक नहीं बनने देना चाहिए। समिति अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि यदि कब्रिस्तान और अन्य धार्मिक स्थलों को हटाने से परहेज किया जा रहा है तो केवल हिंदू धार्मिक स्थलों को हटाना उचित नहीं होगा। उनका कहना है कि विकास कार्यों में हिंदू समाज हमेशा सहयोग करता रहा है, लेकिन समुदाय के आधार पर अलग-अलग व्यवहार स्वीकार नहीं किया जाएगा।दरअसल, मेट्रो परियोजना को लेकर वक्फ संपत्तियों पर विवाद कानूनी रूप ले चुका है। कमेटी इंतजामियां औकाफ-ए-आम्मा ने मध्यप्रदेश राज्य वक्फ अधिकरण में दो अलग-अलग याचिकाएं दायर कर मेट्रो निर्माण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। याचिका में हमीदिया रोड स्थित मासूमा तकिया अम्मनशाह, मस्जिद नूरानी, मुल्लाशाह और अन्य पंजीकृत वक्फ कब्रिस्तान क्षेत्रों के नीचे से मेट्रो लाइन निकालने पर आपत्ति जताई गई है।याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह कब्रिस्तान ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा यहां हजारों कब्रें मौजूद हैं। वहीं नारियलखेड़ा क्षेत्र में वक्फ भूमि पर बिना अनुमति निर्माण किए जाने का आरोप भी लगाया गया है।

भीषण गर्मी में वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए धार वन मंडल की अनूठी पहल

# जंगलों में जल स्रोतों का हो रहा पुनरुद्धार

**धार।**

धार वन मंडल के अंतर्गत आने वाले वनों में वन्यजीवों को पानी की तलाश में आबादी क्षेत्रों की ओर आने से रोकने के लिए वन विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर जल प्रबंधन कार्य किए जा रहे हैं। गर्मी के मौसम में प्राकृतिक जल स्रोतों के सूखने की समस्या को देखते हुए वन मंडल अधिकारी धार, विजयानंथम टी.आर. के मार्गदर्शन में विभिन्न परिक्षेत्रों में जल सहेजने के कार्य युद्धस्तर पर जारी हैं। वन्यजीवों के लिए जंगल में ही पानी की व्यवस्था वन मंडल अधिकारी के निर्देशन में धार, धामनोद, मांडव, सरदारपुर, टाण्डा, बाग एवं कुक्षी परिक्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले समस्त बीटों में वन्यजीवों की सुविधा हेतु निम्नलिखित कार्य कराए जा रहे हैं। जंगलों में स्थित

प्राकृतिक झिरियों की सफाई की जा रही है ताकि पानी का रिसाव बना रहे। वन्यप्राणियों के पीने के पानी के लिए नए सोसर (Cemented Water Troughs) बनाए गए हैं और पुराने सोसरों की सफाई कर उनमें नियमित पानी भरने की व्यवस्था की जा रही है। जल स्तर को सुधारने और लंबे समय तक पानी रोकने के लिए नए तालाबों का निर्माण और पुराने तालाबों का गहरीकरण कार्य किया जा रहा है।

जनहानि एवं वन्यजीव सुरक्षा हेतु प्रभावी कदम जंगलों के भीतर पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होने से वन्यजीव पानी की तलाश में रिहायशी इलाकों का रुख नहीं करेंगे, जिससे संभावित मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोका जा सकेगा। विभाग द्वारा बीट स्तर पर तैनात अमले को निर्देश दिए गए हैं कि वे नियमित रूप से जल स्रोतों की निगरानी करें और सोसरों में पानी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करें।

## जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत दीवार लेखन के माध्यम से जल संरक्षण का दिया संदेश

**झाबुआ।**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में 19 मार्च से 30 जून तक संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड पेटलावद द्वारा नवांकुर संस्था झकनावदा सोशल फाउंडेशन के सहयोग से ग्राम झकनावदा, ढोलीखाली, केसरपुरा, तारखेड़ी एवं कुम्भाखेड़ी में दीवार लेखन के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया गया।

अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जल बचाएं जीवन बचाएं, पानी बचाएं-जीवन बचाएं, अमृत से भी कीमती पानी की बूंदे एवं पानी की रक्षा देश की सुरक्षा जैसे प्रेरणादायी संदेशों का लेखन

कर नागरिकों को जल संरक्षण एवं जल स्रोतों के संवर्धन के प्रति जागरूक किया गया।

इसके माध्यम से ग्रामीणों को जल के महत्व, वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों के संरक्षण तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप प्रदान करना है।

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर भोपाल में होगा इंडो-फ्रेंच इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव

### भोपाल में जुटेंगे फ्रांस की प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधि

**भोपाल।**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने उद्योग, अधोसंरचना, नीति सुधार, लॉजिस्टिक्स, स्किल डेवलपमेंट और निवेश सुविधा के क्षेत्र में जिस तेज गति से कार्य किया है, उसने दुनिया की बड़ी कंपनियों का ध्यान राज्य की ओर आकर्षित किया है। फ्रांस की प्रतिष्ठित कंपनियों और उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की भोपाल में मौजूदगी इसी बढ़ते विश्वास का संकेत मानी जा रही है। भोपाल में 12 मई को होने जा रहे इंडो-फ्रेंच इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव ऐसे समय में हो रहा है, जब मध्यप्रदेश वैश्विक निवेश मानचित्र पर लगातार मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। कुशाभाऊ अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में यह आयोजन केवल एक निवेश बैठक नहीं, बल्कि उस बदलती औद्योगिक सोच और वैश्विक संवाद का विस्तार है। इसमें मध्यप्रदेश अब निवेश प्राप्त करने वाले राज्य की भूमिका से आगे बढ़कर अंतर्राष्ट्रीय औद्योगिक साझेदारियों का सक्रिय केंद्र बन रहा है। इंडो-फ्रेंच चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में फ्रांस के राजदूत, फ्रांसीसी उद्योग जगत के प्रतिनिधि, वैश्विक कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी, मध्यप्रदेश शासन के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और प्रदेश के उद्योग प्रतिनिधि शामिल होंगे। कॉन्क्लेव से मध्यप्रदेश और फ्रांस के बीच दीर्घकालिक औद्योगिक, तकनीकी और संस्थागत साझेदारी होगी। इससे राज्य सरकार फ्रांसीसी कंपनियों को मध्यप्रदेश के औद्योगिक वातावरण, निवेश संभावनाओं, नीति समर्थन और तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक इको-सिस्टम से अवगत कराएगी। कार्यक्रम में एग्रो एवं फूड प्रोसेसिंग, ऑटोमोबाइल एवं ईवी, कंज्यूमर गुड्स एवं रिटेल, डिफेंस एवं एविएशन, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स, फार्मा एवं मेडिकल डिवाइसेस, रिन्यूएबल एनर्जी, टेक्सटाइल, पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों पर विशेष फोकस रहेगा। इन सेक्टर्स में मध्यप्रदेश को उभरते औद्योगिक केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। राज्य सरकार का प्रयास केवल निवेश आकर्षित करना नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश को तकनीक, नवाचार, अनुसंधान, कौशल विकास और सतत औद्योगिक विकास आधारित साझेदारी के मॉडल के रूप में स्थापित करना है।

### जनगणना कार्य सर्वप्रथम पूर्ण करने पर कलसावद टीम सम्मानित

**खरगोन।** जनगणना कार्य को जिले में सर्वप्रथम पूर्ण करने पर टीएल बैठक के दौरान कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल द्वारा एसडीएम कसरावद सत्येंद्र बेरवा, कसरावद तहसीलदार मुकेश मचार, सीएमओ नगर परिषद कसरावद तथा सीएमओ नगर परिषद भीकनगांव को सम्मानित किया गया। ज्ञातव्य है कि कसरावद ग्रामीण क्षेत्र में कुल 481 HLB का कार्य पूर्ण किया गया, वहीं नगर परिषद कसरावद में 44 HLB तथा नगर परिषद भीकनगांव में 27 HLB ब्लॉकों का जनगणना कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। कार्य की समयबद्ध पूर्णता पर कलेक्टर मित्तल ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। इस अवसर पर कलेक्टर मित्तल ने शेष चार्ज अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि वे निर्धारित समय-सीमा में अपने-अपने क्षेत्रों का जनगणना कार्य पूर्ण करें।

### कलेक्टर गुप्ता ने बैठक में दिए निर्देश

## सभी एसडीएम गेहूं उपार्जन केन्द्रों का करें निरीक्षण

**खण्डवा।**

कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने जिले के सभी एसडीएम को निर्देश दिए हैं कि अपने क्षेत्र के गेहूं व चना उपार्जन केन्द्रों का प्रतिदिन निरीक्षण करें और सुनिश्चित करें कि उपार्जन केन्द्रों पर आने वाले किसानों को कोई समस्या न हो। उन्होंने उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिए पेयजल, छांव, बैठक व्यवस्था, पर्याप्त संख्या में तौल कांटे जैसी सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश उपस्थित अधिकारियों को दिए। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित सामाहिक समीक्षा बैठक में जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, अपर कलेक्टर सृष्टि देशमुख गौड़ा, पुनासा के एसडीएम पंकज वर्मा, सहायक कलेक्टर शिल्पा चौहान के अलावा अपर कलेक्टर अरविंद चौहान सहित सभी एसडीएम, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी भी मौजूद थे।

**अधिकारी समय समय पर गांव में रात्रि विश्राम करें-**

कलेक्टर गुप्ता ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार गारंटी योजना के तहत संचालित अधिक पुराने कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर उन्हें पूर्ण कराएं। उन्होंने एसडीएम और जनपद पंचायतों के सीईओ सहित अन्य अधिकारियों को अपने अपने क्षेत्र के ग्रामों में समय समय पर रात्रि विश्राम कर ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण केन्द्र डाइट के प्राचार्य के द्वारा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर उनके विरूद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने क्षेत्र में जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन के कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से करवाएं। उन्होंने सभी कार्य वर्षा शुरू होने के पूर्व पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

### सिंहस्थ सम्बंधी कार्य समय सीमा में पूर्ण कराएं

कलेक्टर गुप्ता ने बैठक में सिंहस्थ-2028 से सम्बंधित कार्यों से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए कि ओंकारेश्वर में सिंहस्थ सम्बंधी सभी कार्य प्राथमिकता से गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी में चलने वाली नावों की गति नियंत्रित रखने तथा नावों में यात्रियों को सेफ्टी जैकेट पहनाकर ही बैठने के निर्देश मुख्य नगरपालिका अधिकारी ओंकारेश्वर को दिए। कलेक्टर गुप्ता ने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्र में स्थित सभी पेयजल स्रोतों की रिचार्ज करने के लिए उनके आसपास सोख्ता गड्ढे या अन्य जल पुनर्भरण संरचनाएं बनवाई जाएं।

### काउंसलर एवं विषय विशेषज्ञों से आवेदन आमंत्रित

**बड़वानी।** कैरियर काउंसिलिंग योजना अंतर्गत मार्गदर्शन देने हेतु अनुभवी काउंसलर एवं विषय विशेषज्ञों के गेस्ट पैनल के गठन हेतु जिला रोजगार कार्यालय बड़वानी में वर्ष 2026-27 के लिये आवेदन आमंत्रित हैं। नामांकित काउंसलरों को निर्धारित दिवसों में काउंसिलिंग हेतु हाईस्कूल / हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को व्यावसायिक मार्गदर्शन देने हेतु आमंत्रित किया जाएगा एवं आमंत्रित मनोवैज्ञानिक / विषय-विशेषज्ञ को कौंसिलिंग पूर्ण दिवस का 1 हजार रूपये मानदेय दिया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी श्री टीएस डूडवे से प्राप्त जानकारी अनुसार इच्छुक आवेदक 22 मई 2026 तक आवेदन पत्र जिला रोजगार कार्यालय बड़वानी में जमा कर सकते हैं। मनोवैज्ञानिक काउंसलर हेतु अनिवार्य योग्यता साइकोलाजी में स्नातकोत्तर डिग्री या पीजी डिप्लोमा होना चाहिए। इन्फार्मेशन काउंसलर हेतु योग्यता मार्गदर्शन के क्षेत्र में अनुभव सहित किसी भी स्ट्रीम में डिग्री /डिप्लोमा / पीजी डिग्री होना चाहिए।

### कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक सम्पन्न

## शासकीय दायित्वों के निर्वहन में पारदर्शिता और जवाबदेहिता का रखें ध्यान

**बड़वानी।**

कलेक्टर जयति सिंह की अध्यक्षता में सोमवार कलेक्ट्रेट सभागृह बड़वानी में समय-सीमा और अंतर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने सभी जिला अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि समस्त अधिकारियों को सौंपे गए शासकीय दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता और जवाबदेहिता के साथ सुनिश्चित करें। बैठक के दिए गए निम्नलिखित मुख्य निर्देश 1. जल संचय जन भागीदारी एवं जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के कार्य अभियान के तहत प्रगतिरत कार्यों, विशेषकर तालाब गहरीकरण, बोरी बन्धान, हैण्डपम्प रिचार्ज और सीएसआर के तहत जल संरक्षण के कार्यों की समीक्षा कर कलेक्टर ने सभी कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। 2. पेयजल व्यवस्था हेतु पीएचई विभाग को निर्देशित किया गया कि पाटी क्षेत्र जैसे दुर्गम इलाकों में क्रॉलर मशीन के माध्यम से पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने पुनः सर्वेक्षण कर लक्ष्य में आवश्यक बढ़ोतरी करने के निर्देश दिए ताकि गर्मी में पेयजल संकट न हो। 3. कृषि एवं उपार्जन प्रबंधन के लिए सम्बंधित विभागों को उपार्जन केंद्रों से गेहूं का उठाव तत्काल करने तथा चना एवं मक्का खरीदी का भुगतान समय-सीमा में सुनिश्चित करने निर्देश दिए गए साथ ही समस्त एसडीएम को नियमित रूप से मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए। कृषि विभाग को आगामी फसलों के लिए उर्वरक का अग्रिम उठाव सुनिश्चित करवाये और किसानों को बोनी हेतु पर्याप्त बीज उपलब्धता के निर्देश दिए गए। 4. राजस्व विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्रीमती सिंह ने नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन जैसे मामलों का निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश दिए गए। पीएम किसान योजना, स्वामित्व योजना और फार्मर आईडी के तहत शत-प्रतिशत ई-केवाईसी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि हितग्राहियों को लाभ मिल सके। 5. स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत मातृ-शिशु मृत्यु दर पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए कलेक्टर सिंह ने निर्देशित किया कि कम वजन वाली गर्भवती महिलाओं का चिह्नांकन एलेन सी पंजीयन के साथ ही कर लें। साथ ही उनकी कम से कम 4 एएनसी जांच सुनिश्चित की जाए। स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त प्रयास से सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के तहत आवश्यक पोषण वितरण एवं घर-घर जाकर काउंसिलिंग करने के निर्देश दिए। लो बर्थ वेट बच्चों की प्रापर ट्रैकिंग करने और एनआरसी से लौटने के बाद भी सुधार न दिखने वाले बच्चों के लिए आरबीएसके टीम के साथ सघन अभियान चलाने पर जोर दिया जाए। 6. शिक्षा विभाग के अंतर्गत स्कूलों में नए सत्र हेतु बच्चों के नामांकन, पुस्तक वितरण, यूनिफॉर्म और साइकिल वितरण की समीक्षा की गई और इसे समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए। पेंशन योजना अंतर्गत संबल, सिकल सेल और वृद्धावस्था पेंशन के प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने हेतु श्रम विभाग को निर्देशित किया गया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुश्री काजल जावला, सहायक कलेक्टर माधव अग्रवाल, अपर कलेक्टर सोहन कनाश, संयुक्त कलेक्टर रवि वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## विकास कार्यों की समीक्षा बैठक लेकर भूमिपूजन भी करेंगे

### प्रभारी मंत्री लोधी आज खण्डवा आएंगे

**खण्डवा।**

प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं खण्डवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी 12 मई को खण्डवा में अधिकारियों की बैठक लेकर विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे एवं महारानी लक्ष्मीबाई हायर सेकेंड्री स्कूल पहुंचकर खेल परिसर उन्नयन का भूमिपूजन भी करेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री लोधी 11 मई को रात्रि 10 बजे सर्किट हाउस खण्डवा पहुंचेंगे तथा रात्रि विश्राम कर अगले दिन 12 मई को प्रातः 10:30 बजे सर्किट हाउस खण्डवा में जिला कोर कमेटी की बैठक में शामिल होंगे। प्रभारी मंत्री श्री लोधी प्रातः 11:30 बजे महारानी लक्ष्मीबाई हायर सेकेंड्री स्कूल पहुंचकर खेल परिसर उन्नयन का भूमिपूजन करेंगे तथा स्कूल की छात्राओं से संवाद भी करेंगे। इसके बाद मंत्री लोधी दोपहर 12:20 बजे जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। प्रभारी मंत्री लोधी दोपहर 3:30 बजे रेलवे स्टेशन खण्डवा से जबलपुर के लिये प्रस्थान करेंगे।

### केज स्थापना एवं संचालन हेतु आवेदन 20 मई 2026 तक आमंत्रित

**बड़वानी।** मध्य प्रदेश शासन द्वारा लागू मध्य प्रदेश एकीकृत मत्स्योद्योग नीति- 2026 के अंतर्गत जिले में मत्स्य क्षेत्र के समग्र विकास एवं चयनित जलाशयों के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निवेशकों एवं उद्यमिश् से 20 मई 2026 तक आवेदन आमंत्रित किये गए है।

### मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्योद्योग नीति-2026 अंतर्गत केज स्थापना हेतु आवेदन 7 जून तक आमंत्रित

**धार।** सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदेश स्तर पर लागू की गई मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्योद्योग नीति-2026 अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित मत्स्योद्योग विभाग, जिला पंचायत एवं निकाय के 100 हेक्टेयर के ऊपर के चयनित जलाशयों तथा मप्र मत्स्य महासंघ के अधीन चयनित जलाशयों का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शासन द्वारा हितग्राही व समिति / संस्था मूलक योजनान्तर्गत पात्र व चयनित हितग्राहियों को उनकी पात्रता के मापदण्ड अनुसार अनुदान सहायताप्रदाय किये जाने हेतु आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी अनुसार अनुदान सहायता भारत सरकार द्वारा केज कल्चर गतिविधि स्वीकृत होने के उपरांत प्रदान की जा सकेगी।

### आंगनवाड़ी निरीक्षण में मिली अनियमितताएं, कार्यकर्ता मिली अनुपस्थित




**आलीराजपुर।**

कलेक्टर नीतू माथुर द्वारा जिले के सभी अधिकारियों को समय-समय पर आंगनवाड़ियों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आंगनवाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं का सुचारू संचालन एवं सुधार सुनिश्चित किया जा सके।

इसी क्रम में आज चंद्रशेखर आजाद नगर की अनुविभागीय अधिकारी दीपिका पाटीदार ने आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र मेंढा फलिया का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनुपस्थित पाई गई, जबकि केंद्र पर केवल सहायिका उपस्थित थी।

निरीक्षण में यह भी पाया गया कि आंगनवाड़ी केंद्र के उपस्थिति रजिस्टर में 20 बच्चों की उपस्थिति दर्ज थी, लेकिन निरीक्षण के समय केंद्र पर एक भी बच्चा मौजूद नहीं था। इस स्थिति को लेकर अधिकारियों ने नाराजगी व्यक्त की तथा संबंधित व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए।

### खरगोन के समग्र विकास को लेकर मंत्री सारंग सख्त केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

## विकास कार्यों की गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा-मंत्री सारंग

**खरगोन।**

प्रदेश के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री तथा खरगोन जिले के प्रभारी मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को जिला विकास सलाहकार समिति की महत्वपूर्ण बैठक लेकर जिले में संचालित विभिन्न विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की गहन समीक्षा की। बैठक में मंत्री श्री सारंग ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि केंद्र और राज्य सरकार की प्रत्येक योजना का लाभ पात्र व्यक्तियों तक शत-प्रतिशत पहुंचे और जिले में योजनाओं का सैचुरेशन मॉडल लागू करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र हितग्राही लाभ से वंचित न रहे।

बैठक में मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सरकार की मंशा केवल योजनाएं चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे, यही प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभाग की योजनाओं की नियमित समीक्षा करें और जिले में योजनाओं के पूर्ण सैचुरेशन का लक्ष्य लेकर कार्य करें। उन्होंने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नल-जल योजना के प्रभावी संचालन पर जोर देते हुए कहा कि हर घर तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होना



*जल गंगा संवर्धन अभियान में खरगोन को प्रदेश में नंबर-1 पर बने रहने का लक्ष्य*

मंत्री सारंग ने जल संरक्षण एवं प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत खरगोन जिले को प्रदेश में नंबर-1 बना रहे। उन्होंने अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत शेष बचे 5 सरोवरों के निर्माण और मरम्मत के कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित करने को कहा जहां जल स्रोत अस्थायी हैं और वहां स्थायी जल संरचनाओं की विकसित किया जाए।

चाहिए। गर्मी के मौसम को देखते हुए हैंडपंपों एवं बोरिंग के मरम्मत कार्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए ताकि आमजन को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े। उन्होंने संदीपनी एवं पीएम श्री स्कूल बनने के बाद बच्चों के ड्रॉप आउट रेट, परीक्षा परिणाम एवं गुणवत्ता पर पड़े प्रभाव का मूल्यांकन करने के निर्देश दिए। साथ ही विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण कर विद्यालयों में उपस्थिति सुधारने पर भी जोर दिया। महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंत्री सारंग ने जिले में कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पहुंच मार्गों पर बिजली, स्ट्रीट लाइट, पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बेटियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

### जिले की कानून व्यवस्था पर जोर

मंत्री सारंग ने निर्देश दिए कि संवेदनशील क्षेत्रों में कानून व्यवस्था और पुलिस की गस्त बढ़ाई जाए एवं आवश्यकता अनुसार पुलिस चौकी का निर्माण किया जाए, महिला सुरक्षा पर विशेष जोर दिया जाए ग्रामीण विकास, पशुपालन और गौशालाओं पर विशेष फोकस।

### शिक्षा व्यवस्था में सुधार और आधारभूत सुविधाओं पर जोर

बैठक में शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री सारंग ने कहा है विद्यालयों में शौचालय निर्माण कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल भवनों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि बच्चों को बेहतर वातावरण और मूलभूत सुविधाएं मिलना भी आवश्यक है।

## फटाफट खबरें

### सीमांचल के पुलों पर खतरा : 3 पुल मिले जर्जर

**भागलपुर,(ईएमएस)।** विक्रमशिला सेतु में आई खराबी के बाद सीमांचल के पुलों की सुरक्षा को लेकर उठ रहे सवालों के बीच बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड ने एक विस्तृत जांच रिपोर्ट जारी की है। कटिहार प्रमंडल द्वारा सीमांचल के चार जिलों–कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज और अररिया–के कुल 355 पुलों का निरीक्षण किया गया। रिपोर्ट के निष्कर्ष बताते हैं कि जहां कटिहार, पूर्णिया और किशनगंज के पुल सुरक्षित और संतोषजनक स्थिति में हैं, वहीं अररिया जिले के तीन पुलों की जर्जर हालत ने विभाग की नींद उड़ा दी है। अररिया जिले में किए गए निरीक्षण में दो पुलों की संरचना काफी कमजोर पाई गई है, जबकि एक पुल को 'असंतोषजनक' श्रेणी में रखा गया है। विशेष रूप से रत्ना और ककड़ा धार पर स्थित 18 मीटर लंबे लघु पुल और 12.75 मीटर लंबे स्लैब culvert की हालत चिंताजनक है।

### बेरोजगार युवक ने मालगाड़ी के सामने लेटकर की आत्महत्या

**पलामू,(ईएमएस)।** डाल्टनगंज रेलवे स्टेशन पर एक कथित बेरोजगारी से परेशान युवक ने ट्रेन के आगे लेटकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। यह घटना बरवाडीह स्टेशन पर लगी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में स्पष्ट दिख रहा है कि सुबह करीब 10:30 बजे जैसे ही प्लेटफॉर्म नंबर एक की आप लाइन पर एक मालगाड़ी आती दिखी, युवक प्लेटफॉर्म से उतरकर पटरी पर जाकर लेट गया। मृतक की पहचान चैनपुर थाना क्षेत्र के पूर्वडीहा गांव निवासी 30 वर्षीय रंजीत कुमार चुबे के रूप में हुई है, जो अपने पिता हरेंद्रनाथ चुबे के इकलौते पुत्र थे। परिजनों के अनुसार, रंजीत बेरोजगारी रूप से बेहद हीनहाल थे, उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और रांची के संत जेवियर कॉलेज जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से शिक्षा प्राप्त की थी।

### दो शातिर अपराधी गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

**सीतापुर,(ईएमएस)।** सीतापुर के अटरिया थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के पुलिस और बदमाशों के बीच हुई जबरदस्त मुठभेड़ में 50-50 हजार रुपये के दो इनामी अपराधी धरे गए। एसओजी और अटरिया पुलिस की संयुक्त टीम ने नहर कोठी के पास घेराबंदी की, जिसके बाद दोनों ओर से हुई गोलीबारी में दो शातिर बदमाश पुलिस की जवाबी कार्रवाई में घायल हो गए। गिरफ्तार किए गए बदमाशों की पहचान सिधौली के सराय बाड़ी निवासी मोहम्मद फरीद और संघना के नंदवन निवासी बैजनाथ उर्फ बीरज के रूप में हुई है। इन दोनों पर आईजी रेंज लखनऊ द्वारा इनाम घोषित किया गया था और ये लंबे समय से चोरी के मामलों में वांछित थे।

### एसएससी ने खोली ओएमआर शीट की फाइल

**कोलकाता (ईएमएस)।** पश्चिम बंगाल में लंबे समय से लंबित नियुक्ति प्रक्रिया को बहुचर्चित और लंबे समय से लंबित विवाद में एक बड़ा कदम उठाया गया है। स्कूल सर्विस कमीशन (एसएससी) ने वर्ष 2016 की शिक्षक एवं शिक्षा कर्मी नियुक्ति परीक्षा की ओरिजनल शीट आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड करने की अधिसूचना जारी कर दी है। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत सीबीआई द्वारा सौंपी गई हार्ड डिस्क के आधार पर की गई है। उल्लेखनीय है कि नियुक्ति अष्टाचार मामले में कोर्ट के आदेश पर पूरा पैनल रद्द होने के कारण 26 हजार से अधिक शिक्षकों और ग्रुप-सी व ग्रुप-डी कर्मियों की नौकरी चली गई थी।

### हजारीबाग की 'मौत की घाटी' में भीषण तांडव

**हजारीबाग (ईएमएस)।** चौपारण थाना क्षेत्र स्थित दनुआ घाटी में देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें छह वाहन आपस में टकरा गए। 'मौत की घाटी' के नाम से कुख्यात इस स्थान पर हुए हादसे में दर्जनों लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक वाहन सड़क किनारे पलट गया, जबकि कई अन्य गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। ये सभी वाहन झारखंड से बिहार की ओर जा रहे थे। इस दुर्घटना के बाद घाटी रोड पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। हादसे की मुख्य वजह तीव्र रफ्तार और घाटी में वाहनों का अत्यधिक दबाव माना जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

---

मुख्यमंत्री बनते ही थलपति विजय ने लिए धड़ाधड़ फैसले ....

# पीएम की अपील अब कैसे बांटेंगे सोना

» 8 ग्राम सोना और रेशम की साड़ी देने का किया था वादा, राज्य के खजाने पर बढ़ेगा बोझ

**चेन्नई,(ईएमएस)।** थलपति विजय ने तमिलनाडु में सीएम की कुर्सी संभालते ही फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। उन्होंने सत्ता संभालने के साथ ही सिंगापुर स्पेशल टास्क फोर्स के गठन करने के आदेश दे दिए हैं। सीएम विजय के इस आदेश के पीछे का मकसद महिलाओं की सुरक्षा को और मजबूत करना है। साथ ही राज्य में रक्षात्मक उपाय भी किए गए हैं। सी जोसेफ विजय की तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने रविवार को सत्ता में आने के साथ कई प्रशासनिक नियुक्तियां शुरू कर दीं। इनमें सीएम विजय को प्रशासनिक सलाह देने के लिए वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों पी सेंथिल कुमार और जी लक्ष्मी प्रिया को नियुक्त किया।

हालांकि, विजय के सामने महिलाओं को गोल्ड देने का चुनावी वादा पूरा करने का संकट खड़ा हो गया है। पीएम मोदी ने अमेरिका-ईरान तनाव के बीच भारत की विदेशी मुद्रा बचाने के

उपायों में एक बड़ी सलाह सोना न खरीदने की भी दी है। बता दें विजय ने चुनाव से पहले टीवीके के घोषणापत्र में सत्ता में आने पर शादी करने वाली लड़कियों को 8 ग्राम सोना और रेशम की साड़ी देने का वादा किया था। इसके अलावा, महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए देने और साल में 6 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का वादा किया था। इसके अलावा, हर पैदा होने वाले बच्चे को सोने की एक अंगूठी देने और 200 यूनिट फ्री बिजली देने जैसे कई बड़े वादे किए थे। इनमें से तीन वादों 200 यूनिट मुफ्त बिजली, महिलाओं की सुरक्षा के लिए स्पेशल टास्क फोर्स और पूरे राज्य में ड्रग्स तस्करी रोकने के लिए यूनिट्स की स्थापना शामिल है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अर्थशास्त्रियों का आकलन है कि अगर इन सभी वादों को पूरी तरह से लागू किया जाता है, तो तमिलनाडु के खजाने पर सालाना करीब एक लाख करोड़ रुपए का बोझ पड़ना तय है। यह आंकड़ा 2024-25 के लिए राज्य के कुल कर राजस्व 2.1 लाख करोड़ रुपए का करीब 50 फीसदी बैठेगा यानी विजय के पांच साल के कार्यकाल में इन योजनाओं पर 4.5 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा का खर्च आ सकता है। सीएम विजय की सरकार के आदेश के मुताबिक जो सिंगापुर एसटीएफ सीधे मुख्यमंत्री की निगरानी में काम करेगी और सीएम को रिपोर्ट करेगी।

**सुपरस्टार से राजनेता बने थलपति जय सप्तपदी विवाह में पहुंचे मंच पर**

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार से राजनेता बने थलपति विजय ने 10 मई को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेकर राज्य की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत कर दी है। चेन्नई में आयोजित एक भव्य शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए राजनीति और सिनेमा जगत की तमाम बड़ी हस्तियां मौजूद रहीं, लेकिन पूरे समारोह में सबसे ज्यादा चर्चा विजय के उस साधारी भरे अंदाज की हो रही है, जिसने सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत लिया है। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान एक ऐसा क्षण आया जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, शपथ लेने के बाद रूसी नेताओं को राज्यपाल के साथ एक सामूहिक तस्वीर (ग्रुप फोटो) खिंचवानी थी। इसके लिए मंच पर रखी टेबल को हटाना जरूरी था ताकि सभी नेता एक साथ खड़े हो सकें।

### एआईडीएमके में बगावत ईपीएस से मांगा इस्तीफा

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों ने ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के भीतर एक बड़े राजनीतिक तूफान को जन्म दे दिया है। चुनाव में पार्टी की शर्मनाक हार के बाद अब नेतृत्व परिवर्तन की मांग ने जोर पकड़ लिया है। पार्टी के कद्दावर नेता सी.वी. शनमुगम के नेतृत्व वाले गुट ने पार्टी प्रमुख एडप्पाडी के. पलानीस्वामी (ईपीएस) के खिलाफ खुला मोर्चा खोलते हुए उनसे तत्काल इस्तीफे की मांग की है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि चौतरफा दबाव के बावजूद ईपीएस फिलहाल पद छोड़ने को तैयार नहीं हैं। पार्टी के भीतर गहराते संकट के बीच वरिष्ठ नेताओं, विधायकों और पूर्व मंत्रियों के एक बड़े समूह ने ईपीएस को स्पष्ट संदेश दिया है कि लगातार चार चुनावी पराजयों के बाद अब उनकी लीडरशिप पर भरोसा करना संभव नहीं है। हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में एआईएडीएमके का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा, जहां पार्टी 234 सीटों में से महज 47 सीटों पर सिमट कर रह गई। इस हार के कार्यकर्ताओं के मनोबल को तोड़ दिया है और पार्टी की रणनीतियों को लेकर अंदरूनी गुस्सा चरम पर है।

---

» चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने अदालतों के अंदर की परिस्थितियों पर अपनी बात रखी

# न्याय भले ही अंधा हो उसमें हास्य-बोध होता है

**नई दिल्ली,(ईएमएस)।** भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा है कि न्याय भले ही अंधा होता है, लेकिन इसमें हास्य-बोध भी होता है, जो बहुत ही बेहतरीन होता है। सीजेआई सूर्यकांत ने रविवार को एक ऐसे कार्यक्रम में अदालतों के अंदर की परिस्थितियों पर अपनी बात रखी, जिसमें एक तरह से पूरा सुप्रीम कोर्ट मौजूद था। सीजेआई ने कहा कि हर फैसले के पीछे एक इंसान ही होता है, जिसकी अपनी कमियां भी हो सकती हैं, लेकिन उसमें हास्य भी हो सकता है और उससे सीखने का मौका भी मिलता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई सूर्यकांत सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की पुस्तकों की लॉन्च पर पहुंचे थे और उन्होंने दोनों किताबों का जिक्र किया- द बेंच, द बार एंड द बिजार: द क्यूरियस एंड द एक्ट्राऑर्डिनरी इन लॉ, और द लॉफुल एंड द ऑफूल: क्वर्की टेल्स फ्रॉम द वर्ल्ड ऑफ लॉ। उन्होंने कहा कि कोर्टरूम ऐसी जगह है जहां रंगमंच और कानून का मिलन होता है। न्याय भले ही अंधा हो, लेकिन उसमें अनोखा हास्य-बोध होता है, शायद हंसी मजाक के प्रति एक लगाव भी।

कार्यक्रम में सीजेआई बोल रहे थे, वहां सुप्रीम कोर्ट के करीब सभी जज श्रोताओं के तौर पर मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां का हास्य उपहास नहीं, बल्कि शिक्षा है...एक ऐसी दुनिया, जिसमें कानून को अक्सर डरावनी और अथाह समझा जाता है।

---

# राहुल के एडवाइजर ने किए खुलासे और कहा- उनसे टूट सकते हैं रिश्ते

**नई दिल्ली,(ईएमएस)।** लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष के इन्वेस्टमेंट एडवाइजर मुथुकृष्णन धंदापानी ने राहुल गांधी की छवि को लेकर बड़ा खुलासा किया। उन्होंने अंदेशा जताया कि इससे उनका राहुल गांधी से रिश्ता टूट सकता है लेकिन इसके उलट कांग्रेस सांसद ने मजाकिया अंदाज में उन्हें जवाब देते हुए कहा कि आप मेरे निवेशों पर रिटर्न में तेजी लाएं। धंदापानी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि 'मैं कोई व्यक्तिगत जानकारी साझा नहीं करने जा रहा हूं। मैं बस यह बताना चाहता हूं कि भागीदारी वास्तविकता से कितनी अलग होती है। यह किसी राजनीतिक दल या नेता का समर्थन करने के लिए नहीं है। मेरा मतलब चीजें वैसी नहीं हैं जैसी दिखती हैं। उन्होंने कहा कि 2013 में, मेरे एक ग्राहक जो राहुल गांधी के लिए प्रोफेशनल रूप से काम कर रहे थे। उन्होंने राहुल गांधी को अपने म्यूचुअल फंड निवेशों को संभालने के लिए मेरा नाम सुझाया। 2013 में जब यूपीए-2 की सरकार थी, तब से लेकर आज तक, जब विजय ने कांग्रेस के समर्थन से शपथ ली, राहुल गांधी म्यूचुअल फंड निवेशों के लिए मेरे ग्राहक बने हुए हैं। धंदापानी ने कहा कि हमने कई ईमेल का आदान-प्रदान किया है और कई बार फोन पर बात भी की है।

### मदद करने गई पुलिस पर हमला करने वालों को सबक

**पटना (ईएमएस)।** गर्दनीबाग थाना क्षेत्र में आपदा के समय मदद करने पहुंची पुलिस टीम पर हमला करने के आरोप में प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह मामला 8 मई का है, जब हर में आई तेज आंधी और बारिश के दौरान रोड नंबर-1 में एक विशालकाय पेड़ गिर गया था। इस हादसे में पांच लोग दब गए थे, जिसके बाद पुलिस टीम और डीएसपी अब्बू ने मौके पर पहुंचकर तत्परता से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला गया, जिनमें से एक की मौत हो गई थी और अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, जब टीम घायलों को अस्पताल पहुंचाने और राहत कार्य में जुटी थी, तभी कुछ स्थानीय असामाजिक तत्वों ने जानबूझकर माहौल बिगाड़ना शुरू कर दिया।

---

# पेट्रोल-डीजल बचाएं और सोना न खरीदें : मोदी

### लॉकडाउन जैसे संयम की जरूरत की सलाह

**हैदराबाद (ईएमएस)।** अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध के तनाव और वैश्विक अर्थव्यवस्था में मची उथल-पुथल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता से 'राष्ट्र हित' में कुछ कड़े और महत्वपूर्ण कदम उठाने की अपील की है। हैदराबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने नागरिकों से विदेशी मुद्रा भंडार बचाने और संसाधनों का संयमित उपयोग करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री के इस संबोधन के बाद देश भर में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या भविष्य में एक बार फिर लॉकडाउन जैसी स्थिति बन सकती है।

प्रधानमंत्री ने तेल और गैस की बढ़ती कीमतों पर चिंता जताते हुए कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में हमें पेट्रोल और डीजल का कम से कम खर्च करना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि जहां संभव हो, 'वर्क फ्रॉम होम' (घर से काम) को प्राथमिकता दें। पीएम ने सार्वजनिक परिवहन जैसे मेट्रो, बस और ट्रेन के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया और निजी वाहन इस्तेमाल करने वालों को 'कार-पूलिंग' अपनाने की सलाह दी। उन्होंने माल ढुलाई के लिए भी रेलवे और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ाने की बात कही।

विदेशी मुद्रा भंडार के संरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री ने एक बेहद खास अपील की। उन्होंने कहा, मौजूदा संकट को देखते हुए हमें अपनी देशभक्ति दिखानी होगी।

» कोरोना काल के अनुशासन की याद दिलाई

पीएम मोदी ने कोरोना काल के कठिन समय का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौरान देशवासियों ने जिन कड़े नियमों का पालन किया था, वैसी ही अनुशासन की जरूरत आज फिर है। उन्होंने कहा कि देशभक्ति केवल सीमा पर प्राण न्योछावर करना नहीं है, बल्कि कठिन समय में जिम्मेदारीपूर्वक जीवन जीना और देश के प्रति कर्तव्यों का पालन करना भी है। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि यदि नागरिक एकजुट होकर इन सुझावों पर अमल करेंगे, तो भारत इस वैश्विक आर्थिक चुनौती से मजबूती से बाहर निकलेगा।

---

सेंसेक्स 1312 , निफ्टी 360 अंक फिसला

# शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

■ मुंबई (ईएमएस)।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1312.91 अंक नीचे आकर 76,015.28 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी50 360.30 अंक गिरकर 23,815.85 पर बंद हुआ। आज व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में 1.05 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक में 1.13 फीसदी की गिरावट रही। क्षेत्रवार देखें तो आज सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी उपभोक्ता उत्पादों में 3.73 फीसदी और निफ्टी रियल्टी में 3.05 फीसदी रही। इसके अलावा निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी ऑयल एंड गैस के शेयर भी 2 फीसदी नीचे आये जबकि निफ्टी ऑटो, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी मेटल और निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयर भी गिरे।

निफ्टी पैक में सबसे ज्यादा

टाटा कंज्यूमर के शेयरों में 8 फीसदी से ज्यादा की बढ़त रही। इसके बाद मैक्स हेल्थ के शेयरों में 2.7 फीसदी की तेजी रही। इसके अलावा कोल इंडिया, सन फार्मा, एचयूएल, ग्रासिम, ओएनजीसी, अदाणी पोर्ट्स और एसबीआई लाइफ के शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी ओर टाटास्टील, इंडिगो, एसबीआई, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, भारती एयरटेल और रिलायंस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। आज बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 467 लाख करोड़ रुपए ही रहा जबकि पिछले सत्र में ये 473 लाख करोड़ रुपए था। इस प्रकार निवेशकों को करीब 467लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इस बीच, बेंट क्रूड का भाई यूएसडब्ल्यू 2.12 फीसदी बढ़कर 103.4 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार करता नजर आया। बाजार जानकारों के अनुसार पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की लगातार ऊंची कीमतें से बाजार नीचे आया है।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। दिन के दौरान सेंसेक्स 76,638.09 पर खुलकर 1,300 अंकों या 1.5 फीसदी से अधिक गिरकर 75,957.40 के दिन के निचले स्तर पर आ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 23,970.10 पर खुलकर दिन के दौरान 1 फीसदी से अधिक गिरकर 23,799.10 के निचले स्तर पर पहुंच गया।

---

## संक्षिप्त समाचार

### भारत की आर्थिक वृद्धि 6.7 फीसदी रहने का अनुमान : बीएमआई

**नई दिल्ली (ईएमएस)।** फिच समूह की इकाई बीएमआई ने ईरान युद्ध, बढ़ती तेल कीमतों और वैश्विक आर्थिक गतिविधियों के कमजोर पड़ने के चलते चालू वित्त वर्ष (2026-27) में भारत की आर्थिक वृद्धि दर को घटाकर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। यह पिछले वित्त वर्ष (2025-26) में 7.7 प्रतिशत थी, लेकिन मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों से इस पर नकारात्मक असर पड़ा है। बीएमआई की रिपोर्ट के अनुसार ईरान-अमेरिका संघर्ष के बढ़ने की आशंका भारत के वृद्धि अनुमानों के लिए एक बड़ा जोखिम है। ऐसे में भारत को रखा खर्च, ईंधन कीमतों और राजकोषीय स्थिति के बीच संतुलन बनाना एक चुनौती होगा। हालांकि, 2025 में किए गए कर सुधार लागत-आधारित महंगाई के असर को कुछ हद तक कम करने में सहायक हो सकते हैं। संस्था ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 6.7 प्रतिशत के अनुमान को बरकरार रखा है। बीएमआई का कहना है कि पिछले वर्षों के कर सुधारों का प्रभाव नए वित्त वर्ष में बढ़ती लागत से घटता जाएगा। ऊर्जा एवं खाद्य आपूर्ति में संभावित बाधाएं और भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा अनुमानित 'अल नीनो' के कारण सामान्य से कम मानसून भी खपत वृद्धि को धीमा कर महंगाई बढ़ाएगा। रिपोर्ट चेतावनी देती है कि यदि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचती है, तो भारत की जीडीपी वृद्धि दर 0.4 से 0.7 प्रतिशत तक घट सकती है। भारत की अर्थव्यवस्था एशिया में ऊर्जा कीमतों के प्रति सबसे संवेदनशील मानी जाती है, जिससे बाहरी झटकों का उस पर सीधा प्रभाव पड़ता है।

### डाक विभाग का 4,000 करोड़ रुपए राजस्व वृद्धि का महत्वाकांक्षी लक्ष्य

**नई दिल्ली (ईएमएस)।** संचार राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने घोषणा की है कि डाक विभाग का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में अपनी अतिरिक्त राजस्व वृद्धि को दोगुना कर 4,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। यह उपलब्धि नवाचार, जवाबदेही और विभिन्न खंडों में तय लक्ष्यों की प्राप्ति के माध्यम से हासिल की जाएगी। मंत्री पेम्मासानी ने बताया कि डाक विभाग ने बीते वित्त वर्ष में 2,100 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राजस्व वृद्धि दर्ज की, जो पिछले चार दशकों में सर्वाधिक है। इस अवधि में विभाग का कुल राजस्व 13,218 करोड़ रुपये से बढ़कर 15,296 करोड़ रुपये हो गया। उनका दीर्घकालिक लक्ष्य अगले तीन से चार वर्षों में डाकघरों को लागत केंद्र से लाभ केंद्र में बदलना है। इस सफलता के लिए विभाग ने विभिन्न चुनौतियों का गहन अध्ययन किया, बाजार हिस्सेदारी की पहचान की, परिचालन बाधाओं को दूर किया और जवाबदेही सुनिश्चित की। मंत्री ने नियमित मासिक समीक्षाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदर्शन में कमी पर पहले 15 अधिकारियों को पत्र भेजे गए थे, लेकिन अब प्रभावी निगरानी और प्रोत्साहन के कारण यह संख्या घटकर एक रह गई है।

---

# पश्चिमी एशिया में तनाव से महंगे हो सकते हैं पेट्रोल और डीजल

### सरकारी तेल कंपनियों को 30,000 करोड़ का मासिक नुकसान

■ नई दिल्ली (ईएमएस)।

पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष और कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल के कारण भारत में पेट्रोल और डीजल महंगा हो सकता है। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (एलपीजी) की बिक्री पर हर महीने 30,000 करोड़ रुपये का भारी नुकसान झेल रही हैं, जिससे सरकार पर अब कीमतों में वृद्धि का दबाव बढ़ गया है। पहले कीमतों में बढ़ोतरी से इनकार करने वाली सरकार अब यह मान रही है कि अब तक की कोशिश कीमतों को स्थिर रखने की रही है, जो संभावित वृद्धि का संकेत है।

होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के खतरे और अमेरिका-ईरान तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच चुकी हैं, लेकिन भारतीय खुदरा बाजार में ईंधन के दाम लंबे समय से अपरिवर्तित हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति भारतीय अर्थव्यवस्था की सेहत और तेल कंपनियों के मुनाफे पर भारी पड़ रही है। केंपीएमजी में ऊर्जा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस स्थिति को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि यह भारत की मुख्य ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने आगाह किया कि अर्थव्यवस्था अब तक इसका सामना कर पाई है, लेकिन लंबे समय तक समस्या बनी रहने से स्थिति बिगड़ सकती है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने भी तेल कंपनियों पर वित्तीय दबाव की बात स्वीकार की है। उनके अनुसार कच्चे तेल की मौजूदा कीमतों और कंपनियों को हो रहे नुकसान को देखते हुए पेट्रोल और डीजल के दाम में 20 फीसदी की बढ़ोतरी आवश्यक है; हालांकि इतनी बड़ी बढ़ोतरी की संभावना कम है। उन्होंने चेतावनी दी कि ग्राहकों पर कच्चे तेल की बढ़ी कीमतों का बोझ न डालने से राजकोषीय गुंजाइश कम हो रही है और तेल कंपनियों की जमा पूंजी खत्म हो रही है, जिससे उनकी सुरक्षात्मक स्थिति कमजोर हो रही है।

# एलपीजी कंपनियों ने ग्राहकों को ठगों से सावधान रहने की दी सलाह

### फर्जी ओटीपी मैसेज से बचें, जानें असली संदेश की पहचान और शहर अनुसार कीमतें

■ नई दिल्ली (ईएमएस)।

एलपीजी सिलेंडर डिलीवरी अब डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) सिस्टम के जरिए हो रही है, जिससे सुरक्षा बढ़ी है पर साइबर ठग इसी का फायदा उठाकर फर्जी मैसेज भेजकर उपभोक्ताओं को धोखा दे रहे हैं। एलपीजी कंपनियों ने ग्राहकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। यह सिस्टम सुनिश्चित करता है कि सिलेंडर सही ग्राहक तक पहुंचे, जिससे गलत डिलीवरी और गड़बड़ी की संभावना कम हुई है। हालांकि, इसी सिस्टम का फायदा उठाकर साइबर ठग फर्जी मैसेज भेज रहे हैं। एचपीसीएल और भारत गैस ने चेताया है कि असली मैसेज केवल वीएम-एचपीगैस-एस जैसे आधिकारिक सेंडर आईडी से 4 अंकों के ओटीपी के साथ आते हैं, जिसे सिर्फ सिलेंडर डिलीवरी के समय साझा करें। कोई भी कर्मचारी फोन वाटसएप या लिंक से ओटीपी नहीं मंगेगा। इंडेन ने भी ग्राहकों को पहले चुकिंग जांचने की सलाह दी है और कहा है कि सही मैसेज (वीके-इंडेन या वीएम-इंडेन) से 6 अंकों का 'डीएसी कोड') डिलीवरी बॉय के घर पहुंचने पर ही शेयर करें। वहीं एक तरफ सुरक्षा बढ़ रही है, दूसरी ओर एलपीजी सिलेंडर की कीमतें शहर-शहर अलग-अलग हैं। बेंगलुरु में घरेलू सिलेंडर 915.50 रुपये, हैदराबाद में 965 रुपये और इंदौर में 941 रुपये में उपलब्ध है। पटना में यह 1002.50 रुपये तक पहुंच गया है। ये दरें डिस्ट्रीब्यूशन और स्थानीय लागत के आधार पर निर्भर करती हैं।

---

# रेलवे की रफ्तार: रिकॉर्ड बजट व्यय, हवाई यात्रा को मिलेगी कड़ी टक्कर

### मंत्री वैष्णव बोले- कई मार्गों पर ट्रेनें विमान सेवाओं से आगे निकलेंगी

■ नई दिल्ली (ईएमएस)।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को भारतीय रेलवे की तीव्र प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रेलवे ने चालू वित्त वर्ष में अपने निर्धारित बजट का 98 प्रतिशत फरवरी के अंत तक खर्च कर दिया है, जो परियोजनाओं के तेज क्रियान्वयन को दर्शाता है। वैष्णव ने दावा किया कि आगामी समय में देश के कई प्रमुख मार्गों पर ट्रेन सेवाएं हवाई यात्रा को पीछे छोड़ देंगी। मंत्री ने बताया कि 49,000 किलोमीटर ट्रैक का विद्युतीकरण और 36,000 किलोमीटर नई पटरियों के जुड़ने से यात्रा समय में अभूतपूर्व कमी आएगी। उन्होंने कहा कि 49,000 किलोमीटर विद्युतीकरण जर्मनी के पूरे रेल नेटवर्क से अधिक है, जबकि 36,000 किलोमीटर नई पटरियां स्विट्जरलैंड के नेटवर्क का लगभग छह गुना हैं। उदाहरण के लिए, मुंबई-पुणे (28 मिनट), पुणे-हैदराबाद (1 घंटा 55 मिनट), हैदराबाद-बेंगलुरु (लगभग 2 घंटे), बेंगलुरु-चेन्नई (78 मिनट), दिल्ली-वाराणसी (3 घंटे 50 मिनट) और दिल्ली-लखनऊ (लगभग 2 घंटे) में पूरी होगी। वैष्णव ने विमानन कंपनियों को आगाह करते हुए कहा कि इन मार्गों पर 99 प्रतिशत यात्रायात रेलवे से होगा और निवेशकों को इस सच्चाई को अभी से समझ लेना चाहिए।

### सीनियर सिटीजन कोटे और बुकिंग के खास विकल्पों से पाएं ट्रेन में निचली बर्थ

■ नई दिल्ली (ईएमएस)।

ट्रेन में आरामदायक सफर के लिए लोअर बर्थ की चाहत हर यात्री को होती है, खासकर बुजुर्गों को, जिन्हें ऊपर की बर्थ पर चढ़ने में खासी परेशानी होती है। भारतीय रेलवे (आईआरसीटीसी) ने अब ऐसे यात्रियों के लिए लोअर बर्थ सुनिश्चित करने के खास तरीके बताए हैं, जिससे उनकी यात्रा सुगम बन सके। रेलवे के नियमों के अनुसार 60 वर्ष और अधिक आयु के पुरुष, 58 वर्ष से अधिक आयु की महिलाएं और 45 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए लोअर बर्थ का एक संयुक्त कोटा निर्धारित है। यह कोटा स्लीपर से लेकर एसी क्लास तक उपलब्ध होता है, जिससे इन यात्रियों को प्राथमिकता मिलती है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए टिकट बुकिंग करते समय बुजुर्ग नागरिक विकल्प का चयन करना अनिवार्य है। आइआरसीटीसी के अनुसार एक पीएनआर पर केवल 1 या 2 बुजुर्ग यात्रियों के लिए ही लोअर बर्थ मिलने की संभावना अधिक होती है। लोअर बर्थ की गारंटी हेतु रिजर्वेशन चार्ट में चुक ऑनली लोअर बर्थ इन एलाउड विकल्प चुनें। यह विकल्प सुनिश्चित करेगा कि यदि लोअर बर्थ उपलब्ध नहीं है, तो आपका टिकट बुक नहीं होगा। ध्यान रहे कि सामान्य कोटे में लोअर बर्थ का आवंटन पूरी तरह उपलब्धता पर निर्भर करता है। यदि बुकिंग के दौरान लोअर बर्थ नहीं मिल पाती है, तो यात्रा के दौरान आप ड्यूटी पर मौजूद कोच टीटीई से संपर्क कर सकते हैं।

# 20 विश्वकप में बीसीबी को टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

## निगार सुल्ताना करेंगी कप्तानी

■ ढाका (ईएमएस)।

बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम आगामी टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में निगार सुल्ताना जोटी की कप्तानी में उतरेगी जबकि नाहिदा अख्तर को उपकप्तान बनाया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने 0 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। विश्वकप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरू होगा। इसमें दुनिया भर की शीर्ष महिला टीमें उतरेंगी। बीसीबी का कहना है कि बांग्लादेश की टीम बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी।

बांग्लादेश टीम ने इस साल की शुरुआत से ही इसके लिए अभ्यास किया है। आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 ग्लोबल क्वालिफायर में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान, चाहे वह ग्रुप स्तर हो या सुपर सिक्स , टीम ने सभी मुकाबले जीते हैं उससे वह उत्साहित है। इससे उसका विश्वकप के लिए मनोबल बढ़ा है। विश्व कप के मुख्य मुकाबले शुरू होने से पहले, बांग्लादेश की टीम अपनी तैयारियों को बेहतर करने के लिए 25 मई को स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स के बीच होने वाली त्रिकोणीय-सीरीज़ में भाग लेने एडिनबर्ग जाएगी। यह सीरीज खिलाड़ियों को यूरोपीय हालातों के अनुसार ढलने और अपनी रणनीति को परखने का अवसर देगी। त्रिकोणीय-सीरीज़ के समाप्त होने के बाद, टीम लॉफबोरो जाएगी, जहां वे अपने टी-20 विश्व कप वार्म-अप मैचों में भाग लेंगी। टीम विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को एजबेस्टन में नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबले से करेगी। बीसीबी के अनुसार टीम की कप्तान निगार सुल्ताना और उपकप्तान नाहिदा अख्तर अनुभवी हैं जो टीम को प्रेरित करेंगी। बीसीबी को उम्मीद है कि टीम विश्वकप में भाग ही नहीं लेगी बल्कि अपने प्रदर्शन से भी प्रभावित करेगी।

## स्पेन के राफेल जोडार इटैलियन ओपन टेनिस के चौथे दौर में पहुंचे

रोम (ईएमएस)। स्पेन के युवा टेनिस खिलाड़ी राफेल जोडार ने इटैलियन ओपन टेनिस में जीत के साथ ही चौथे दौर में प्रवेश किया है। जोडार ने एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में इटली के माटेओ अर्नाल्डी को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। वाइल्डकार्ड धारी अर्नाल्डी को हराकर जोडार ने अपनी क्षमताओं को साबित किया है। स्पेनिश खिलाड़ी ने पहले सेट को 6-1 से जीता पर दूसरे सेट में अर्नाल्डी ने 6-4 से जीत दर्ज कर अच्छी की। वहीं निर्णायक तीसरे सेट में जोडार ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए पांच गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही जोडार ने इस साल क्ले कोर्ट पर अपना 14-2 का रिकॉर्ड बरकरार रखा है। इस सत्र में उन्होंने माराकेच में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता था। साथ ही बार्सिलोना में सेमीफाइनल और मैड्रिड में क्वार्टर फाइनल तक वह पहुंचे थे। जीत के बाद जोडार ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। रोम में किसी इटैलियन खिलाड़ी के साथ खेलना कभी आसान नहीं रहता। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया पर मैटेओ ने दूसरे और तीसरे सेट में बहुत अच्छा खेला। अब जोडार का मुकाबला लर्नर टिएन से होगा इससे पहले, लर्नर अलेक्जेंडर बुब्लिक को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया।

# नेशंस कप को देखते हुए अभ्यास शिविर में तैयारी करेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

■ नई दिल्ली (ईएमएस)।

भारतीय महिला हॉकी टीम को अगले माह न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक एफआईएच नेशंस कप में खेलना है। इसके अलावा उसे ओलंपिक क्वालिफिकेशन की भी तैयारी करनी है। इसी को देखते हुए टीम ने एक अभ्यास शिविर लगाया है। ये इसी माह 20 मई तक चलेगा।

गौरतलब है कि एफआईएच नेशंस कप जीतने वाली टीम को 2026-27 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सीधे प्रवेश मिलेगा। इसके बाद, प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल करने का अवसर मिलेगा, जिससे भारतीय हॉकी के लिए नेशंस कप काफी अहम है। इसके अलावा, टीम की नजरें अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 और जापान में सितंबर-अक्टूबर में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों पर भी लगी हैं। मुख्य कोच शॉर्ड मारिन की देखरेख में आयोजित हो रहे इस शिविर में उन्हीं 31 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो अप्रैल के पिछले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा थीं। यह टीम प्रबंधन के निरंतर रवैये को दर्शाता है, जहां खिलाड़ियों की फिटनेस स्तर को और बेहतर बनाने, टीम संयोजन को मजबूत करने और तकनी कौशल में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अनुभवी और युवा प्रतिभा का यह मिश्रण भारतीय टीम की गहराई और लचीलेपन को दर्शाता है। गोलकीपिंग विभाग में अनुभवी सविता के साथ माधुरी किंडो, बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम मौजूद हैं,डिफेंस में निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी और शिल्पी डब्बास जैसी मजबूत खिलाड़ी हैं। मिडफील्ड में कप्तान सलीमा टेटे के नेतृत्व में सुशीला चानू, मनीषा चौहान, वैष्णवी फाल्के, नेहा, साक्षी राणा, सुनीता टोप्पो और इशिका जैसी खिलाड़ी शामिल हैं।

## जीत के बाद डगआउट में उछलते दिखे विराट, जश्न का वीडियो सोशल मीडिया में छाया

■ रायपुर (ईएमएस)।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत के बाद खासे उत्साहित दिखे। इस जीत के साथ ही रॉयल्स अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंच गयी है। विराट ने मुम्बई के खिलाफ जीत के बाद डगआउट में जिस प्रकार के जोश और जुनून के साथ जश्न मनाया उसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में छाया हुआ है। इस मैच में आरसीबी ने अंतिम ओवर की अंतिम गेंद पर जीत दर्ज की थी।

लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी को आखिरी गेंद पर जीत के लिए 2 रनों की जरुरत थी और टीम इसमें सफल रही। लक्ष्य का पीछा करने के दौरान विराट हर चौके-छक्के पर खुशी जताते दिखे। मैच समाप्त होते ही वह खुशी से बेकाबू हो गए। यहां तक कि डगआउट में वह उछल-उछल कर, जोर-जोर से चिल्लाकर अपनी टीम की जीत की खुशी मनाते दिखे। उनके इस जोश और जुनून से भरे जश्न का एक वीडियो भी जमकर वायरल हो रहा है।

## निया शर्मा और अंकिता लोखंडे ने जताया मां के प्रति सम्मान

चर्चित अभिनेत्रियां निया शर्मा और अंकिता लोखंडे ने इन दिनों कलर्स टीवी के लोकप्रिय शो 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' का हिस्सा हैं। दोनों अभिनेत्रियों ने 'मदर्स डे' के मौके पर अपनी माताओं के प्रति गहरा प्रेम और आभार व्यक्त किया है। अपने बोल्ड अंदाज और बेबाक व्यक्तित्व के लिए मशहूर निया शर्मा ने कहा कि उनका निडर स्वभाव उन्हें अपनी मां से विरासत में मिला है। निया के अनुसार उन्होंने अपनी मां को हमेशा मुश्किल परिस्थितियों का मजबूती से सामना करते देखा है और उसी साहस ने उनके आत्मविश्वास की नींव रखी। उन्होंने कहा कि उनकी मां ने उन्हें जिंदगी में हर परिस्थिति से बिना डरे लड़ना सिखाया है। निया ने अपनी मा से जुड़ा एक मजेदार किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि एक बार परिवार के साथ यात्रा के दौरान उनकी मां 'हॉप-ऑन हॉप-ऑफ' बस में कहीं नजर नहीं आ रही थीं। पूरा परिवार घबरा गया और उन्हें ढूंढ़ने के लिए हर जगह तलाश शुरू कर दी गई। काफी देर बाद पता चला कि उनकी मां बस की छत पर आराम से बैठकर शहर के वीडियो बना रही थीं। निया ने हंसते हुए कहा कि उनकी मां हर तनावपूर्ण स्थिति को भी यादगार पल में बदल देती हैं।

## म्यूजिकल ट्रायंगल लव स्टोरी के रूप में चर्चा में 'साइकिल गैप'

भारतीय दर्शक अब ऐसी फिल्मों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं, जिनमें संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम न होकर कहानी और किरदारों की भावनाओं का अहम हिस्सा बने। बॉलीवुड फिल्म निर्देशक एम आर भारती इसी सोच के साथ अपनी नई फिल्म 'साइकिल गैप' लेकर आ रहे हैं, जो एक म्यूजिकल ट्रायंगल लव स्टोरी के रूप में चर्चा में बनी हुई है।

निर्देशक एम आर भारती ने फिल्म को लेकर कहा कि 'साइकिल गैप' एक ऐसी रिलेशनशिप ड्रामा फिल्म है, जिसमें संगीत कहानी की आत्मा की तरह काम करेगा। उनका मानना है कि कई बार इंसान अपनी भावनाओं को शब्दों में पूरी तरह व्यक्त नहीं कर पाता, लेकिन संगीत उन एहसासों को बेहद सहज तरीके से सामने ले आता है। यही वजह है कि फिल्म में गानों और बैकग्राउंड म्यूजिक को बेहद खास महत्व दिया गया है। उन्होंने बताया कि फिल्म को आधुनिक युवा दर्शकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, लेकिन इसके साथ ही इसमें पुराने दौर की क्लासिक म्यूजिकल रोमांस फिल्मों की भावनात्मक गहराई और खूबसूरती को भी बरकरार रखने की कोशिश की गई है। एम आर भारती इससे पहले भी अपनी फिल्मों में संवेदनशील और भावनात्मक कहानियों के लिए पहचाने जाते रहे हैं।

# कलाकारों ने मां के रिश्ते को किया सलाम

मदर्स डे एक ऐसा खास दिन है, जो मां के निस्वार्थ प्यार, उसकी शांत ताकत और मां-बच्चे के उस अटूट रिश्ते का जश्न मनाता है, जो जिंदगी भर साथ रहता है। 'गंगा माई की बेटियां' में स्नेहा का किरदार निभा रहीं अमनदीप सिद्धू कहती हैं, 'सभी को मदर्स डे की ढेर सारी शुभकामनाएं। बचपन से मैंने देखा है कि मां पूरे परिवार की जिम्मेदारी हमेशा मुस्कुराते हुए उठाती है। अब जब मैं बड़ी हो गई हूं, तब सच में समझ पाती हूं कि मेरी मां ने मुझे इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए कितने त्याग किए। 'जाने अनजाने हम मिले' में राघव का किरदार निभा रहे भरत अहलावत कहते हैं, 'जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, वैसे-वैसे समझ आता है कि हमारी मां ने हमारे लिए कितना कुछ किया है। हमारे संस्कारों से लेकर मुश्किल वक्त में हमारे साथ खड़े रहने तक, मां हमेशा हमारी सबसे बड़ी ताकत होती है। 'तुम से तुम तक' में अनु का किरदार निभा रहीं निहारिका चौकसे कहती हैं, 'एक एक्टर की जिंदगी काफी भागदौड़ भरी होती है, लेकिन जैसे ही मैं अपनी मां के बारे में सोचती हूं, मन को तुरंत सुकून मिल जाता है। 'लक्ष्मी निवास' में लक्ष्मी का किरदार निभा रहीं मानसी जोशी रॉय कहती हैं, 'समय के साथ मैंने समझा है कि मां होना मतलब अपने सपनों को रखना और फिर भी उसी सफर में खुशी ढूंढ लेना। यह एक ऐसा रिश्ता है, जिसमें ताकत है, सब्र है और कभी खत्म न होने वाला प्यार है। 'सरू' में वेद का किरदार निभा रहे शगुन पांडे कहते हैं, 'दुनिया की सभी शानदार मांओं को मदर्स डे की शुभकामनाएं।

यह एहसास बहुत खास होता है कि चाहे कुछ भी हो जाए, आपकी मां हमेशा आपके साथ खड़ी रहेगी। 'वसुधा' में वसुधा का किरदार निभा रहीं प्रिया ठाकुर कहती हैं, 'मां का प्यार अक्सर बहुत शांत तरीके से नजर आता है, कभी उनकी डांट में, कभी उनकी चिंता में और कई बार उनकी खामोशी में भी। जैसे-जैसे मैं बड़ी हुई हूं, मैंने इन छोटी-छोटी बातों को और गहराई से समझा है और अब उनकी अहमियत महसूस होती है। 'जगद्धात्री' में जगद्धात्री का किरदार निभा रहीं सोनाक्षी बत्रा कहती हैं, 'मेरे लिए मेरी मां का प्यार हमेशा बहुत अलग रहा है। कई बार वह सख्त प्यार जैसा लगा, लेकिन उसके पीछे हमेशा गहरी चिंता और सच्चा ख्याल रहा। उन्होंने हमेशा मेरे लिए सबसे अच्छा चाहा और हर तरह से मुझे संभालने की कोशिश की।

संभागायुक्त-कलेक्टर सिंह के साथ प्रशासन के अधिकारियों ने शिप्रा घाटों का पैदल भ्रमण कर किया निरीक्षण

# सिंहस्थ-2028 में साधु-संत और श्रद्धालुओं को मिलेगी अदभुत सुविधाएं

**उज्जैन।**

इस बार सिंहस्थ महापर्व को लेकर करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए सहज और सुविधाजनक मार्गों से शिप्रा नदी के घाटों तक पहुंचाकर सुरक्षित स्नान कराने के लिए प्रशासन की टीम जुटी हुई है। प्रतिदिन नियमित निरीक्षण के तहत सोमवार को तीसरे दिन शिप्रा तट के घाटों का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के घाट तक पहुंचने वाले प्रस्तावित मार्गों के लिए स्थान चिन्हित किए गए। संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विक्रांत भैरव मंदिर से पैदल भ्रमण करते हुए उन्हेल रोड़ तक करीब 5 किलोमीटर एरिया के घाट को मुख्य सड़क से जोड़ने के लिए प्रस्तावित स्थानों का चयन कर सुविधाओं के साथ विकसित करने के निर्देश दिए। तीन दिन में 18 किमी. लंबाई से

अधिक घाटों का सुबह 6 बजे से पैदल भ्रमण कर निरीक्षण और अवलोकन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर विश्वस्तरीय अलौकिक सिंहस्थ 2028 महापर्व आयोजन की तैयारियों को लेकर सुबह से निरीक्षण का दौर चल रहा है। सिंहस्थ 2028 के तहत सोमवार को नियमित निरीक्षण में सुबह 6 बजे से संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के साथ विभिन्न विभागों के अधिकारियों के दल ने विक्रांत भैरव मंदिर के समीप ब्रिज से निरीक्षण प्रारंभ कर करीब 5 किलोमीटर क्षेत्र में पैदल भ्रमण करते हुए उन्हेल रोड़ ब्रिज के समीप तक शिप्रा नदी पर निर्माणाधीन नवीन घाट को जोड़ने के लिए प्रस्तावित 18 स्थानों को एप्रोच रोड़ के लिए चिन्हित किया है। संभागायुक्त सिंह ने शिप्रा नदी के किनारे पैदल भ्रमण करते हुए घाट तक पहुंचने के प्रस्तावित स्थानों में विक्रांत भैरव मंदिर के समीप, कालभैरव मंदिर के पीछे की ओर घाट, कालभैरव ब्रिज के समीप, मौनी बाबा आश्रम के सामने, मंगलनाथ मंदिर के सामने, अंगारेश्वर मंदिर के सामने, सिद्धवट मंदिर के समीप, उन्हेल रोड़ ब्रिज के पास, उन्हेल रोड़ पारस तालाब के समीप, पुरानी गिट्टी की खदान क्षेत्र में निर्माणाधीन ओर पूर्व से निर्मित घाटों के सामने से श्रद्धालुओं को लाने के लिए प्रस्तावित पहुंच मार्ग चिन्हित किए है। शनिवार से सोमवार तक तीन दिन के निरीक्षण के दौरान करीब 18 किलोमीटर क्षेत्र में करीब 60 से अधिक प्रस्तावित मार्ग चिन्हित किए है, जहां से श्रद्धालुओं को घाट तक पहुंचाने के लिए एप्रोच रोड़ का निर्माण किया जा सके।

निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त सिंह ने निर्देश दिए कि प्रस्तावित मार्ग चिन्हित करने के समय एप्रोच रोड़ पर सुविधाएं जुटाने वाले सभी विभाग आपसी समन्वय बना लें। जहां के लिए स्थान चिन्हित किए गए है, उसी स्थान पर एप्रोच रोड़ बनाया जाए। संभागायुक्त सिंह ने भैरवगढ़ क्षेत्र में उन्हेल मार्ग पर पुरानी गिट्टी खदान क्षेत्र में प्रस्तावित पार्किंग एरिया के साथ जोड़कर नवीन घाट तक पहुंचने के लिए रैम्प की तरह करीब 30 मीटर की एप्रोच रोड़ बनाने के निर्देश दिए। संभागायुक्त सिंह ने कहा कि सिंहस्थ महापर्व के दौरान अलग-अलग मार्गों से आने वाले श्रद्धालुओं को प्रस्तावित पार्किंग एरिया से नजदीक घाट तक पहुंचाने के लिए सुविधाजनक एप्रोच रोड़ का निर्माण किया जाएगा। कलेक्टर ने प्रशासन के सभी विभागों के अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान प्रस्तावित स्थलों को ध्यान में रखकर सुविधाजनक एप्रोच रोड़ निर्माण करने और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अन्य व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सिंह ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्माणाधीन घाट व अन्य विकास कार्यों में उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की मॉनिटरिंग करने के लिए भी दिए।

## »न्यूज ब्रीफ

### घर में बर्तन रखने आई नाबालिग से अश्लील हरकत

**उज्जैन।** थाना चिमनगंज मंडी क्षेत्र के शिवशक्ति नगर में एक अधेड़ ने नाबालिग (12 वर्षीय लड़की) के साथ छेड़छाड़ की। घटना का पता चलते ही हिंदू जागरण मंच और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आरोपी को पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामला रविवार का है। आरोपी नासिर खान के घर के पास में रहने वाले नाबालिग बर्तन रखने आरोपी के घर आई थी। उस समय नासिर घर में अकेला था। बच्ची से उसने बर्तन किचन में रखने के लिए कहा। इसके बाद अंदर से कमरा बंद कर बच्ची के साथ अश्लील हरकत की। बच्ची जैसे-तैसे अपने आप को छुड़ाकर घर पहुंची और पूरी घटना अपनी मां को बताई। मां ने घटना के बारे में पति को बताते हुए हिंदू जागरण मंच को भी जानकारी दी। जिसके बाद हिंदू जागरण मंच के रितेश माहेश्वरी, बजरंग दल के शैलू यादव, हेमंत सोनी, सौरभ तंवर ने मिलकर थाना चिमनगंज में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी नासिर खान को गिरफ्तार कर लिया।

### होटल मित्तल एवेन्यू पर गंदगी पाए जाने पर 15 हजार का जुर्माना

**उज्जैन।** स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत उज्जैन शहर के प्रमुख बड़े होटलों से निकलने वाले गीले कचरे का निष्पादन स्वयं होटल वालों द्वारा किया जाना होता है जिसके क्रम में होटल मित्तल एवेन्यू द्वारा अपने होटल से निकलने वाले अपशिष्ट कचरे का प्रसंस्करण नहीं करने एवं गंदगी करते पाए जाने पर निगम द्वारा 15 हजार का जुर्माना किया गया उल्लेखनीय है कि शहर के प्रमुख बड़े होटलों द्वारा 50 किलो से ज्यादा थोक कचरा उत्पादक गीले कचरे को स्वयं द्वारा कंपोस्ट पिट बनाते हुए स्वयं द्वारा निष्पादन किया जाना है जिससे गीले कचरे से बनी खाद का उपयोग होटल के गार्डन में किया जा सके परंतु होटल मित्तल एवेन्यू द्वारा उक्त मापदंडों एवं नियमों का पालन नहीं किया गया जिसके क्रम में संबंधित पर जुर्माने की कार्यवाही की गई।'

### उज्जैन में 16 दिन बाद पारा 43 डिग्री पहुंचा

**उज्जैन।** 16 दिन बाद अधिकतम तापमान दोबारा 43 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जिससे दिनभर लोग भीषण गर्मी से परेशान रहे। मौसम विभाग के अनुसार, इससे पहले 25 अप्रैल को 43 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। वहीं, 6 मई को अधिकतम तापमान 39 डिग्री था, लेकिन महज पांच दिनों में पारा 4 डिग्री बढ़ गया। तेज गर्मी के कारण दोपहर में शहर की कई सड़कें सूनी नजर आईं। जरूरी काम से बाहर निकले लोग गर्मी से बचाव करते दिखाई दिए। कोई सिर पर कपड़ा बांधकर निकला, तो कई लोग शीतल पेय का सहारा लेते नजर आए। मौसम विभाग का अनुमान है कि इस सप्ताह गर्मी इसी तरह लोगों को परेशान करती रहेगी।

उज्जैन में पैर पड़ने एएसपी के पीछे घूमे विधायक

# पुलिस ने लाठीचार्ज किया, किसान घायल

# परमार बोले- गुंडे खुलेआम घूम रहे

**उज्जैन।**

उज्जैन में किसान कांग्रेस अध्यक्ष अशोक जाट को जिलाबदर किए जाने के विरोध में सोमवार को कांग्रेस ने उग्र प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। पुलिस ने लाठीचार्ज किया। एक किसान जयराम जाट घायल हो गया, जबकि तीन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। प्रदर्शन से पहले कांग्रेस विधायक महेश परमार और पुलिस के बीच बहस का एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में परमार एडिशनल एसपी आलोक शर्मा के पैर पड़ने के लिए उनके पीछे घूमते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान वे सड़क पर दंडवत प्रणाम भी करने लगते हैं, जबकि एडिशनल एसपी वहां से हटते नजर आ रहे हैं।

**कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे किसान नेता अशोक-** इधर, किसान कांग्रेस अध्यक्ष अशोक जाट जिला बदर की कार्रवाई के खिलाफ इंदौर हाईकोर्ट का रुख किया है। उन्होंने कार्रवाई के खिलाफ याचिका लगाई है। अब मामले में 13 मई को सुनवाई होनी है।

**महिदपुर विधायक बोले- किसानों की लड़ाई लड़ते रहेंगे-** महिदपुर विधायक दिनेश जैन बोस ने कहा कि वे किसानों की लड़ाई लड़ते रहेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि उज्जैन आते समय पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन वे डरने वाले नहीं हैं।

**विधायक महेश बोले- उज्जैन में गुंडे खुलेआम घूम रहे-** कांग्रेस विधायक महेश परमार ने कहा कि किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अशोक जाट किसानों की आवाज पर पहुंच जाते हैं। ऐसे नेता को जिलाबदर कर दिया गया, जबकि उज्जैन में गुंडे खुलेआम घूम रहे हैं। पुलिस ने किसी कांग्रेस कार्यकर्ता को कलेक्टर परिसर तक नहीं जाने दिया।

**प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड पर ज्ञापन चस्पा किया-** जाट समाज के युवा नेता राधे जाट ने बताया कि कांग्रेस, किसान संगठन और जाट समाज ने कलेक्टर को ज्ञापन देने के लिए बुलाया था, लेकिन कलेक्टर नहीं पहुंचे। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड पर ज्ञापन चस्पा कर प्रदर्शन समाप्त कर दिया। राधे जाट ने कहा कि जाट समाज ने प्रशासन को 21 मई तक का अल्टीमेटम दिया है। अगर अशोक जाट को नहीं छोड़ा गया और मांगें नहीं मानी गईं, तो 21 मई को प्रदेशभर में प्रदर्शन होगा। अगला आंदोलन भोपाल में किया जाएगा।

**ट्रैक्टरों के साथ उज्जैन पहुंच रहे थे कार्यकर्ता-** कांग्रेस विधायक महेश परमार, नेता मुकेश भाटी और किसान कार्यकर्ता ट्रैक्टरों के साथ प्रदर्शन में शामिल होने उज्जैन पहुंच रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें बड़नगर रोड स्थित ब्रिज के नीचे रोक दिया। कार्यकर्ताओं को रोके जाने के बाद हंगामा शुरू हो गया। करीब एक घंटे तक पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच बहस और धक्का-मुक्की हुई। स्थिति तनावपूर्ण होने पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। कार्रवाई के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

### व्यापारियों पर कार्रवाई नहीं, उल्टा अशोक जाट को जिलाबदर कर दिया

प्रदेश किसान कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि व्यापारी मंडियों से बाहर किसानों की फसल तुलवा रहे हैं। एक क्विंटल पर 8 से 10 किलो ज्यादा अनाज ले रहे हैं। जानकारी मिलने पर किसान नेता अशोक जाट ने इसका विरोध किया। ऐसे व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई गई, लेकिन व्यापारियों पर मुकदमा दर्ज करने के बजाय अशोक जाट पर सरकारी कार्य में बाधा डालने का केस दर्ज कर उन्हें जिलाबदर कर दिया गया।

### प्रदर्शन में 10 गांवों के लोग शामिल

प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अलावा जाट समाज, सर्व समाज और आसपास के 10 गांवों के लोग शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान इलाके में भारी पुलिस बल तैनात रहा।

## नाली में गिरी महिला, सरिया शरीर के आर-पार

### दर्द से तड़पती रही, लोगों ने सरिए काटकर निकाला, दो घंटे चली सर्जरी

**उज्जैन।**

सड़क चौड़ीकरण और नाली निर्माण के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई है। सोमवार दोपहर एक महिला निर्माणाधीन नाली के गड्ढे में गिर गई। गड्ढे में खुले पड़े लोहे के सरिए उनके शरीर के आर-पार घुस गए। दर्द से तड़प रही महिला को स्थानीय लोगों ने सरिया काटकर बाहर निकाला। मौके से गुजर रहे महापौर मुकेश टटवाल उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने दिल, डायाफाम और आंतों तक गंभीर नुकसान की आशंका जताई है। करीब दो घंटे तक सर्जरी चली। फिलहाल महिला की हालत पहले से बेहतर बताई जा रही है।

घटना सोमवार दोपहर करीब 1 बजे की है। मक्सी रोड निवासी प्रेमलता हारिया देसाई नगर में हिमांशु शुक्ला के घर काम पर जा रही थीं। इसी दौरान निर्माणाधीन नाली के पास उनका संतुलन बिगड़ गया और वे सीधे गड्ढे में जा गिरीं। वहां निकले हुए लोहे के सरिये उनके शरीर में घुस गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मौजूद लोग मौके पर पहुंचे। महिला को निकालना मुश्किल हो रहा था, क्योंकि सरिया शरीर में फंसा हुआ था। लोगों ने मशीन से सरिया काटा, तब कहीं जाकर महिला को बाहर निकाला जा सका। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें लोग महिला को संभालते और सरिया काटते दिखाई दे रहे हैं।

**महापौर बोले- सुरक्षा के इंतजाम नहीं थे-** महापौर मुकेश टटवाल ने कहा कि निर्माण स्थल पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे और सरिये खुले पड़े हुए थे, जिसकी वजह से इतना बड़ा हादसा हुआ। एमआईसी सदस्य नगर निगम शिवेंद्र तिवारी ने बताया कि सिंहस्थ निर्माण कार्य के तहत नाली बनाई जा रही है। निर्माण स्थल पर सरिये ऊपर खुले छोड़े गए थे। महिला का बैलेंस बिगड़ने से वह गड्ढे में गिर गई। मामले में लापरवाही हुई है, जिसकी जांच कराई जा रही है।

**पति की हो चुकी है मौत-** प्रेमलता हारिया पिछले दो साल से देसाई नगर में हिमांशु शुक्ला के यहां प्रतिदिन बर्तन साफ करने का काम करती हैं। परिवार में उनके दो बेटे हैं। एक की उम्र करीब 16 साल है, जबकि दूसरा उससे छोटा है। उनके पति की पहले ही मृत्यु हो चुकी है।

### सर्जन बोले- हार्ट की बॉर्डर तक पहुंच सकता था

एसएस हॉस्पिटल, उज्जैन के डॉ. सुशील गुप्ता ने बताया, फ्महिला के शरीर में सरिया काफी गहराई तक घुसा था, जो हार्ट की बॉर्डर तक पहुंच सकता था। ऐसे मामलों में अंदरूनी अंगों को गंभीर नुकसान का खतरा ज्यादा रहता है।फ्र डॉक्टरों के मुताबिक, सरिया शरीर में घुसने से दिल, डायाफाम और आंतों के आसपास चोट पहुंचने की आशंका थी। अस्पताल की सर्जन टीम ने करीब दो घंटे तक लगातार सर्जरी की।

## नगर निगम का रिकॉर्ड रूम हाईटेक होना चाहिए जिसमें समस्त रिकार्ड डिजिटल उपलब्ध हो सकें - निगम आयुक्त

**उज्जैन।**

प्रत्येक सोमवार को नगर निगम में निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा की उपस्थिति में आयोजित होने वाली साप्ताहिक बैठक में आयुक्त द्वारा विभागवार अधिकारियों से चर्चा करते हुए प्राप्त पत्रों पर की गई कार्यवाही की जानकारी प्राप्त करते हुए आपने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की जन हितैषी योजनाओं अन्तर्गत प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण कर हितलाभ दिए जाने की कार्यवाही करें, सीएम हेल्पलाईन पर प्राप्त शिकायतों को निर्धारित समय सीमा में एल 1 स्तर पर ही निराकरण किया जाना सुनिश्चित किया जाए साथ ही आयुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि नगर निगम का रिकॉर्ड रूम हाईटेक होना चाहिए समस्त रिकार्ड डिजिटल उपलब्ध हो सके इस हेतु

कार्य किया जाए ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति घटना में समय रहते रिकॉर्ड उपलब्ध हो सके वार्डों में होने वाले कार्यो को गति प्रदान करते हुए कार्यो को किया जाए नगर निगम से निकलने वाले शासकीय आदेशों एवं पत्रों में आउटसोर्स कर्मचारी का नाम अंकित ना हो इस बात का विशेष रूप से ध्यान दिया जाए, साथ ही ई ऑफिस प्रणाली में कार्य करने वाले अधिकारियों की सराहना करते हुए निर्देशित किया कि जिनके द्वारा अभी तक ई ऑफिस में कार्य नहीं किया जा रहा है वह अपनी आईडी शीघ्र बनाते हुए कार्यों को करें। बैठक में अपर आयुक्त संतोष टैगोर, पवन कुमार सिंह, संदीप शिवा, पुनीत शुक्ला, उपायुक्त योगेंद्र सिंह पटेल, मनोज मौर्य, संजेश गुप्ता, अधीक्षण यंत्री संतोष गुप्ता सहायक आयुक्त प्रफुल्ल गठरे, राघवेंद्र सिंह पालिया, कार्यपालन यंत्री हिमांशु तिवारी, वैभव भावसार, आरके जैन, जगदीश मालवीय, साहिल मैदावाला एवं समस्त जोन के झोनल अधिकारी उपस्थित रहे।

## महापौर एवं निगम आयुक्त द्वारा आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए समीक्षा की गई

**उज्जैन।** आगामी समय को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण पर्व त्यौहार आ रहे हैं जिसमें शनिचरी अमावस्या, अधिक मास एवं क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा यात्रा मुख्य रूप से आयोजित किए जाएंगे उक्त आयोजन को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा समुचित व्यवस्थाएं समय पूर्ण सुनिश्चित की जाए इस हेतु सोमवार को महापौर मुकेश टटवाल द्वारा निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। 16 मई को शनिचरी अमावस्या एवं 17 मई से अधिक मास प्रारंभ हो रहा है साथ ही 25 तारीख को शिप्रा तीर्थ परिक्रमा यात्रा एवं गंगा दशहरा का आयोजन किया जाएगा जिसमें मुख्य रूप से साफ सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाता है इसलिए प्रमुख मंदिरों पर सफाई व्यवस्था का विशेष रूप से ध्यान रखें सप्तसागरों, नौ नारायण एवं नगर निगम सीमा क्षेत्र में आने वाले 84 महादेव मंदिरों पर सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए गर्मी के समय को ध्यान में रखते हुए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पानी के प्याऊ की व्यवस्था एवं छायादार टेंट की व्यवस्था रहे साथ ही स्वच्छता का ध्यान रखते हुए सप्त सागरों पर पूजन सामग्री के लिए निर्माल्य कुंड की व्यवस्था रहे।

## सांदीपनी चौराहा से लोहारपट्टी तक बाधक मकानों को हटाने की कार्यवाही की

**उज्जैन।** सोमवार को नगर निगम रिमूवल गैंग द्वारा सांदीपनि चौराहा से लोहार पट्टी गरुड़िया बस्ती क्षेत्र में 20 से अधिक मकानों को हटाने की कार्यवाही की गई उक्त मकान मार्ग चौड़ीकरण में बाधक थे जिसके कारण चौड़ीकरण कार्य प्रभावित हो रहा था जिसके क्रम में नगर निगम रिमूवल गैंग द्वारा लगभग 20 से अधिक मकानों को खाली करवाते हुए हटाने की कार्यवाही की गई उक्त कार्यवाही सब इंजीनियर आनंद परमार एवं रिमूवल गैंग की उपस्थिति में पूर्ण की गई।

## 'जन्म से हृदय रोग से ग्रसित मुजाहिद अब जी सकेगा सामान्य जीवन'

**उज्जैन।** जिले के चंदा मोहल्ला निवासी 08 वर्षीय मुजाहिद का जन्म ही एक गंभीर हृदय रोग के साथ हुआ था। बचपन में अन्य बच्चों की तरह दौड़ना-कूदना, खेलना या स्कूल जाना भी उसके लिए मुश्किल था। सांस फूलने, थकान और सामान्य गतिविधियों में परेशानी के कारण उसका शारीरिक विकास भी प्रभावित हो रहा था परिवार ने कई जगह इलाज करवाया, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हो पाया। अंततः जिले के मोबाइल हेल्थ टीम द्वारा स्कूल स्वास्थ्य जांच अभियान के दौरान मुजाहिद की स्क्रीनिंग की गई। जांच में पता चला कि बच्चे को गंभीर हृदय रोग है, जिसका समय पर ऑपरेशन न होने पर जीवन खतरे में पड़ सकता था जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल के निर्देशन में आर.बी.एस.के. (राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम) की टीम ने तुरंत कार्रवाई की। मुजाहिद को जिला स्तरीय शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। वहां से आगे श्रीमती विनीशा सोलंकी, डी.आई.ए.एस.एम. के मार्गदर्शन में बच्चे को अमलताश मेडिकल कॉलेज, देवास भर्ती करवाया गया मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना के तहत मुजाहिद का निःशुल्क सफल ऑपरेशन किया गया। पूरी प्रक्रिया, जांच, भर्ती और ऑपरेशन का खर्च शासन द्वारा वहन किया गया।

जल संरक्षण अंतर्गत विद्यालयों में पौधारोपण करें

# बच्चों को प्रकृति के सानिध्य में शिक्षा प्राप्त हो -कलेक्टर

**उज्जैन।**

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सोमवार सुबह कलेक्टर कार्यालय सभागृह में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कलेक्टर सिंह ने सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण की विभागवार समीक्षा कर लंबित शिकायतों के निराकरण शीघ्रता से करने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए। कलेक्टर सिंह ने 50 से अधिक दिनों से लंबित शिकायतों के निराकरण शुक्रवार तक करने के निर्देश सभी विभागों को दिए। शिकायत निराकरण में लापरवाही बरतने पर कलेक्टर सिंह ने उच्च शिक्षा विभाग की नोडल अधिकारी,महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी और

बड़नगर नगर पालिका सीएमओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में पदीय दायित्वों में सतत् लापरवाही बरतने पर खाचरौद नगर पालिका सीएमओ की विभागीय जांच शुरू करने के निर्देश दिए।गंगा दशहरा पर्व पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय निकाय ऑनलाइन सम्मिलित होंगे।कलेक्टर सिंह ने बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने सभी विभागों को जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विद्यालयों में पौधारोपण करने के निर्देश दिए जिससे बच्चों को प्रकृति के सानिध्य में शिक्षा प्रदान की जा सके। बैठक में कलेक्टर सिंह ने नगर निगम ,जिले के नगरीय निकायों, जनपदों,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, एमएसएमई, एमपीआरडीसी, एमपीआईडीसी, स्मार्ट सिटी, स्कूल शिक्षा ,महिला एवं बाल विकास आदि विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर अभियान अंतर्गत कार्यों में जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं संपादक सुनील वर्मा के लिए 1/4, परदेशीपुरा इन्दौर से प्रकाशित एवं दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश इन्दौर से मुद्रित. प्रधान संपादक: सुनील वर्मा
कार्पोरेट कार्यालय : 301, अरु प्लाजा एमजी रोड इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com,